दैनिक शुभ भास्कर

उप्र व मप्र से प्रकाशित

हर कदम आपके साथ......

e-mail dailyshubhbhaskar@gmail.com
RNI. N. UPHIN/2015/64737

वर्ष - 13 अंक- 150 | झांसी 01/शनिवार /मई/2021 | पृष्ठ -8 मूल्य -3 रूपये

संक्षेप में...

सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ को केंद्र ने दी वाई श्रेणी सुरक्षा

पुणे। कोवीशील्ड की कीमतों में को लेकर विवादों में आए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के उएड अदार पूनावाला को कैटेगरी सिक्योरिटी दी गई है। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बताया गया है कि पूनावाला को खतरे की आशंका को देखते हुए उन्हें सिक्योरिटी दी गई है। अब सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के 4-5 कमांडोज के साथ 11 सुरक्षाकर्मी हर वक्त पूनावाला के साथ रहेंगे। यह सिक्योरिटी कवर उन्हें पूरे देश में मिलेगा। एसआईआई के डायरेक्टर (गवर्नमेंट एंड रेग्युलेटरी अफेयर्स) प्रकाश कुमार सिंह ने 16 अप्रैल को गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी थी। इसमें पूनावाला को सिक्योरिटी देने की अपील की गई थी।

मई से तीन लाख रेमडेसिविर इंजेक्शनों का रोजाना उत्पादन

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने रेमडेसिविर इंजेक्शन के उत्पादन को बढ़ाने का फैसला लिया है। रेमडेसिविर इंजेक्शन का उत्पादन मई के पहले सप्ताह में प्रतिदिन 3 लाख शीशियों तक बढ़ाया जाएगा। रासायनिक और उर्वरक मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि सरकार इससे पहले भी रेमडेसिविर इंजेक्शन का उत्पादन बढ़ा चुकी है। मंत्रालय बाजार में रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता की निगरानी कर रहा है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को एम्स से मिली छुट्टी

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने कोहराम मचा रखा है। कई दिनों से प्रतिदिन साढ़े तीन लाख से अधिक कोरोना केस मिल रहे हैं। लगातार कोरोना मरीजों और कोविड से होने वाली मौतों में बढ़ोतरी ने दहशत पैदा कर दी है। महामारी के कहर से स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा गई है। अस्पताल ऑक्सीजन, दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब 20 देश भारत की मदद को आगे आए हैं।

असम में 24 घंटे में 18 बार कांपी धरती

दिसपुर। बुधवार को असम में आए भूकंप का बाद से यहां लगातार दहशत का माहौल है। पिछले 24 घंटे में पूर्वोत्तर स्थित इस राज्य की धरती 18 बार कांपी है। साइंटिफिक स्टडी के मुताबिक, भूकंप के बाद भी कई तरह के शॉक आते रहते हैं। इस तरह का असर राज्य के शोणितपुर जिला के ढेकियाजुली में भी देखने को मिला। यहां 28 अप्रैल की सुबह 7.51 मिनट पर 6.4 तीव्रता का भूकंप आया था। तब से यहां रुक रुक कर झटके महसूस किए जा रहे हैं। अब तक 4.7 और 4.6 तीव्रता के झटके महसूस किए गए हैं। वहीं, कई जगह पर 3 तीव्रता पर भी झटके महसूस किए गए हैं।

26 मई को लगेगा साल का पहला चंद्रग्रहण

नई दिल्ली । इस साल का पहला चंद्र ग्रहण 26 मई को लगने वाला है। 26 मई को वैशाख पूर्णिमा भी है। भारत में यह चंद्र ग्रहण दिन के समय लगेगा, इसलिए दिखाई नहीं देगा। चूंकि ये चंद्र ग्रहण पूरे भारत में नहीं दिखेगा, इसीलिए सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। गौरतलब है कि जब सूर्य और चंद्रमा के बीच में पृथ्वी आ जाती है और ये एक सीधी लाइन में आ जाते हैं तो इस स्थिति को चंद्र ग्रहण कहा जाता है। इस साल का पहला चंद्र ग्रहण 26 मई, बुधवार को लगने वाला है। इस दिन वैशाख पूर्णिमा भी मनाई जाती है। यह भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। ग्रहण 26 मई, बुधवार को दोपहर 3:15 मिनट पर प्रारंभ होगा और 6:23 बजे समाप्त होगा।

मिस्र से 4 लाख रेमडेसिविर खरीदेगा भारत

नई दिल्ली । देश में कोरोना का भयानक दौर चल रहा है। इस बीच ऑक्सीजन, ऑक्सीजन सिलिंडर, रेमडेसिविर और कोरोना वायरस से संबंधित उपकरणों की किल्लत देखी जा रही है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से सरकार ने ऑक्सीजन उत्पादन ज्यादा जोर दिया है, वहीं ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाकर विभिन्न राज्यों ऑक्सीजन की सप्लाई की गई है। हालांकि इसी बीच विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कोविड की स्थिति पर कहा कि हम दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम विदेशों से 4,000 ऑक्सीजन सांद्रक, 10,000 ऑक्सीजन सिलिंडर प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। वहीं विदेश सचिव ने जानकारी दी कि भारत सामान्य तौर पर रेमडेसिविर की 67,000 खुराक प्रति दिन ही उत्पादित करता है ।

राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत संक्रमित हुए

जयपुर। राजस्थान में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। गहलोत ने गुरुवार को खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'कोविड टेस्ट करवाने पर आज मेरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। मुझे किसी तरह के लक्षण नहीं हैं और मैं ठीक महसूस कर रहा हूं। कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मैं आइसोलेशन में रहकर ही कार्य जारी रखूंगा।'

एग्जिट पोल

पांच राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव और मप्र व राजस्थान में विस उप चुनाव के एक्जिट पोल...

4 राज्यों से भाजपा साफ, बंगाल से ममता...

■ नईदिल्ली

असम , केरल , पुडुच्चेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो चुके हैं. केरल, पाडुचेरी और तमिलनाडु में जहां एक ही चरण में मतदान संपन्न हुआ था वहीं असम में तीन और पश्चिम बंगाल में 8 चरणों में चुनाव कराए गए, पश्चिम बंगाल में गुरुवार को यानी 29 अप्रैल को अंतिम दौर का मतदान संपन्न होते ही विधानसभा चुनावों के लिए वोटिंग की प्रक्रिया खत्म हो गई। इसके साथ ही नतीजों की झलक एग्जिट पोल में देखने को मिली। विभिन्न मीडिया हाउसेज द्वारा अलग-अलग एग्जिट पोल जारी किए गए। रिपब्लिक-सीएनएक्स ने बंगाल में तृणमूल को 128-138 सीटें मिलने का अनुमान जाहिर किया है। भाजपा+ के खाते में 138-148 सीटें जाती दिख रही हैं।

1. बंगालः टीएमसी की सरकार बनने की उम्मीद

बंगाल में इस बार भाजपा ने 294 में से 293 सीटों पर चुनाव लड़ा। 1 सीट उसने सुदेश महतो की ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन पार्टी को दी। पिछली बार यहां भाजपा ने गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के साथ चुनाव लड़ा था। इस बार यह GJM तृणमूल के साथ है। तृणमूल 290 और GJM 3 सीटों पर चुनाव में उतरा। 1 सीट निर्दलीय को दी गई।

2. केरलः कांग्रेस को बहुमत!

बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर चुनाव लड़ते हैं, जबकि केरल में वे एक-दूसरे के विरोध में रहते हैं। यहां अभी लेफ्ट की अगुआई वाले एलडीएफ की सरकार है। कांग्रेस इसका हिस्सा नहीं है। कांग्रेस की अगुआई वाला एलडीएफ यहां विपक्षी गठबंधन है। वहीं, भाजपा ने इस बार 140 में से 113 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

3. असमः भाजपा को बहुमत के असार

असम में पिछली बार सत्ता में आई भाजपा से बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट अलग हो गया है। वह इस बार कांग्रेस और लेफ्ट के साथ मैदान में है। वहीं, भाजपा, असम गण परिषद और UPLL एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं। 126 सीटों में से भाजपा ने 92 और कांग्रेस ने 94 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

4. तमिलनाडुः डीएमके सत्ता में लौटने के आसार

यहां पहली बार जयललिता और करुणानिधि के बगैर विधानसभा चुनाव हुए। सत्ता में अन्नाद्रमुक है। वह 234 सीटों में से 179 पर और भाजपा 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बाकी सीटें अन्य दलों को दी हैं। वहीं, द्रमुक 173 और कांग्रेस 25 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

5. पुडुचेरीः डीएमके

यहां कांग्रेस सत्ता में है। इस बार वह 30 सीटों में से 14 और द्रमुक 13 सीटों पर लड़ी है। उधर, भाजपा 9 और ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस 16 सीटों पर मैदान में उतारा था।

उप चुनाव (मप्र)

भाजपा के खाते में जा सकती है सीट

मध्यप्रदेश में बीजेपी की एक और सीट बढ़ सकती है। एग्जिट पोल में यही निकलकर आ रहा है। दमोह विधानसभा उपचुनाव में इखड के कैंडिडेट राहुल सिंह लोधी जीत सकते हैं। इसके पीछे तीन बड़े फैक्टर हैं। पहला- मध्यप्रदेश में स्पष्ट बहुमत की सरकार का फायदा। दूसरा- गांवों में पार्टी का विरोध नहीं और तीसरा- भाजपा संगठन की चुनाव लड़ने की रणनीति।

राजस्थानः 3 में से 2 सीट सुजानगढ़ और सहाड़ा पर कांग्रेस की जीत के आसार, राजसमंद पर कांटे की टक्कर

राजस्थान में जनता का मूड जानने के बाद तीनों सीटों का एग्जिट पोल किया है। पोल के मुताबिक, कांग्रेस की दो और सीट बढ़ सकती हैं, जबकि एक सीट पर कांटे की टक्कर है। यह सीट है राजसमंद।यहां पर किरण माहेश्वरी की बेटी दीप्ति माहेश्वरी को मजबूत माना जा रहा है, लेकिन ऐनवक्त पर भितरघात व गुलाबचंद कटारिया के महाराणा प्रताप को लेकर दिए विवादित बयान से सस्पेंस बना हुआ है। सुजानगढ़ और सहाड़ा सीट कांग्रेस के खाते में जाती दिख रही है।

35 सीटों पर 5.40 बजे तक 76% मतदान

उत्तर कोलकाता में ऑडिटोरियम के पास बम फेंका गया, चुनाव आयोग ने रिपोर्ट मांगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के 8वें और आखिरी चरण में 35 सीटों पर सुबह 7 बजे से वोटिंग हुई दोपहर 5.40 बजे तक यहां 76.07% मतदान हुआ है। इस फेज में 283 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। मुस्लिम बहुल आबादी वाले जिलों में सबकी नजर अल्पसंख्यक वोटों पर रहेगी। इस हिसाब से देखा जाए तो इस बार ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस टीएमसी और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला रहने वाला है। पिछले सात फेज में टीएमसी और भाजपा ही आमने-सामने रही हैं।

कोविशील्ड के बाद कोवैक्सीन ने घटाई टीके की कीमत

राज्यों को कोवैक्सीन अब 600 की जगह मिलेगी 400 रुपए में

■ नईदिल्ली

राज्य सरकारों के लिए घटा दी है। राज्यों को कोवैक्सीन की एक डोज पर 400 रुपये प्रति डोज के रेट से ही मिलेगी। इससे पहले प्रति डोज 600 रुपये की का रेट राज्य सरकारों के लिए तय किया गया था। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मौजूदा समय में कोरोना से जंग के लिए पब्लिक हेल्थ सिस्टम को मजबूती देने के लिए यह फैसला लिया गया है। कंपनी का कहना है कि हम भारत

में इनोवेशन को बढ़ावा देना चाहते हैं और हमारा लक्ष्य देश में पब्लिक हेल्थ केयर को मजबूत करना है। इससे पहले कोविशील्ड ने भी अपनी वैक्सीन की कीमत राज्य सरकारों के लिए 100 रुपये प्रति डोज घटाई थी। इससे पहले राज्य सरकारों को 400 रुपये प्रति डोज देने का फैसला हुआ था।

अमेरिका ने की कोवैक्सीन की तारीफ

वाशिंगटन। कोरोना के खतरनाक होने के बीच स्वदेशी कोवैक्सिन को लेकर अच्छी खबर आई है। अमेरिका के चीफ मेडिकल एडवाइजर और महामारी के टॉप एक्सपर्ट डॉ. एंथनी फौसी के मुताबिक कोवैक्सिन कोरोना के नए वैरिएंट 617 को बेअसर करने में भी कारगर है। फौसी का कहना है कि भारत में कोवैक्सिन लगवाने वाले लोगों के डेटा से वैक्सीन के असर के बारे में पता चला है। इसलिए भारत में मुश्किल हालात के बावजूद वैक्सीनेशन काफी अहम साबित हो सकता है।

कोरोना टीकाकरण में 32 हजार करोड़ का घोटालाः सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में कोविड से संबंधित अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई जारी है। सुप्रीम कोर्ट में आज एक और याचिका दायर की गई है, जो दावा करती है कि टीकाकरण अभियान में 32 हजार करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। यह याचिका वकील दीपक आनंद मसीह की ओर से दाखिल की गई है। याचिका में कोरोना से निपटने के लिए केंद्र सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि पश्चिमी देशों में कोरोना की वैक्सीन तैयार कर ली गई, लेकिन उनकी लागत और कीमत 150-200 रुपये से ज्यादा नहीं है।

कोरोना काल में केंद्र सरकार का अहम फैसला

केन्द्र ने जरूरी मेडिकल डिवाइस इंपोर्ट की दी मंजूरी

■ नईदिल्ली

कोरोना की दूसरी लहर की वजह से देश में चरमराई मेडिकल व्यवस्था को संभालने के लिए केंद्र सरकार एक्शन में आ गई है। इसी के मद्देनजर सरकार ने गुरुवार को अगले 3 महीने के लिए वेंटिलेटर, ऑक्सीजन जेनेरेटर समेत 17 मेडिकल डिवाइसों को इंपोर्ट करने की मंजूरी दे दी। सरकार ने जिन डिवाइसों को मंजूरी दी है, उनमें नेबुलाइजर्स, ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स, डिवाइस, ऑक्सीजन कैनिस्टर, ऑक्सीजन जेनेरेटर और वेंटिलेटर्स जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं। इससे कोरोना के खिलाफ चल रही लड़ाई में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी।

1 लाख पोर्टेबल ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स ऑर्डर किए गए: इससे पहले केंद्र सरकार ने पीएम केयर्स फंड से 1 लाख पोर्टेबल ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स और 500 प्रेशर स्विंग एडसोर्पशन ऑक्सीजन प्लांट खरीदने का फैसला किया था। पीएमओ के मुताबिक, केंद्र सरकार ने पहले से ही 713 पीएसए प्लांट के ऑर्डर दिए हुए हैं।

रेलवे ने 4 राज्यों को 510 मीट्रिक टन ऑक्सीजन सप्लाई की

रेलवे भी राज्यों को जल्द से जल्द मेडिकल ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए ऑक्सीजन एक्सप्रेस चला रही है। 19 अप्रैल को पहली बार मुंबई से विजाग के लिए ट्रेन भेजी गई। अब तक चार राज्यों को 510 मीट्रिक टन ऑक्सीजन सप्लाई की जा चुकी है। इसमें उत्तर प्रदेश को 202 टन, महाराष्ट्र को 174 टन, दिल्ली को 70 एमटी और मध्यप्रदेश को 64 MT मेडिकल ऑक्सीजन भेजा गया है।

दिल्ली में एक ही परिवार के 6 लोग जिंदा जले, मौत

नई दिल्ली। साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक के कापसहेड़ा इलाके में बुधवार देर रात तीन झुग्गियों में आग लगने के बाद सिलेंडर ब्लास्ट से तीन महीने के बच्चे समेत एक ही परिवार के 6 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मरने वालों में दपंती और उनके चार बच्चे शामिल हैं। हादसे के दौरान आग की लपटों में फंसे पांच अन्य लोग समय रहते बाहर निकल गए जिससे उनकी जान बच गई। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने झुलसी हालत में छह शव को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा है। साथ ही मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि मातु राम के खेत में तीन झुग्गियां बनी हुई थीं जिनमें खेतों में काम करने वाला परिवार रहता था। आग और सिलेंडर फटने से खेत में काम कर वाले लेबर इस घटना की चपेट में आ गए।

देश में पहली बार एक दिन में रिकॉर्ड 3.79 लाख से ज्यादा मरीज मिले

3646 लोगों ने जान गंवाई; 2.70 लाख लोग ठीक भी हुए

■ नईदिल्ली

देश में कोरोना से हालात बेहद खराब हो गए हैं। हर दिन संक्रमितों और मौतों का नया आंकड़ा सामने आ रहा है पहली बार एक दिन में 3 लाख 79 हजार 164 नए मरीजों की पुष्टि हुई। अब तक एक दिन के अंदर मिले नए मरीजों का ये आंकड़ा सबसे अधिक है। इससे पहले 27 अप्रैल को सबसे ज्यादा 3.62 लाख मरीजों की पहचान हुई थी।

इसके अलावा 24 घंटे के अंदर 3646 संक्रमितों की मौत भी हो गई। ये लगातार दूसरा दिन था जब तीन हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इसके पहले 3286 मौतें रिकॉर्ड की गई थीं। अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, दवाइयों, वेंटिलेटर संकट के बीच हर दिन कोरोना के एक्टिव केस तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। अब देश में 30 लाख 77 हजार 75 मरीज ऐसे हैं जिनका इलाज चल रहा है। इस मामले में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। अमेरिका में सबसे ज्यादा 68 लाख एक्टिव केस हैं। हालांकि कोरोना की अगर यही रफ्तार रही तो आने वाले एक महीने के अंदर भारत में सबसे ज्यादा एक्टिव केस होंगे।

विदेशी मीडिया | लिखा- वैक्सीन एक्सपोर्ट का ढिढोंरा पीटा, लेकिन खुद की उत्पादन क्षमता की असलियत नहीं पता

मोदी के बड़बोलेपन से भारत में खौफ का मंजर

विश्वभर में तांडव मचाने के बाद कोरोना ने लगता है भारत में स्थाई शरण ले ली है। वहीं मोदी सरकार की मनमानी के बाद तीन महीने में भारत में खौफ का मंजर देखने को मिला।भारत के हालात आपे से बाहर हो चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मदद की जरूरत है।

एजेंसी ■ फ्रांस

जब मोदी मई 2019 में दोबारा प्रधानमंत्री बने। दुनिया के टॉप मीडिया हाउसेज ने नरेंद्र मोदी की जीत की बानगी कुछ यूं बयां की। दो साल बाद यानी मई 2021 में विदेशी मीडिया की तल्खी और बढ़ गई है। कोरोना की दूसरी लहर में सरकार नाकाम हुई तो विदेशी मीडिया भी सच्चाई खुलकर सामने रख रही है। हालिया उदाहरण फ्रांस के न्यूज पेपर ल्ले मोंडे का है। आइए, कुछ पॉइंट्स में जानते हैं कि इस न्यूज पेपर ने अपने एडिटोरियल में देश

की केंद्र सरकार के लिए क्या लिखा है। हर रोज 3.5 लाख नए कोरोना मरीज और 2000 से ज्यादा मौतें। ये स्थिति खतरनाक वायरस की वजह से है, लेकिन इसके पीछे भारतीय प्रधानमंत्री के घमंड, बड़बोलेपन और कमजोर प्लानिंग का भी हाथ है। दुनियाभर में वैक्सीन एक्सपोर्ट करके ढिंढोरा पीटा।

तीन महीने बाद खुद भारत में खौफ का मंजर देखने को मिला।भारत के हालात आपे से बाहर हो चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मदद की जरूरत है। 2020 में अचानक लॉकडाउन लगा और लाखों प्रवासी मजदूरों को शहर छोड़ना पड़ा। प्रधानमंत्री ने पिछले साल सिस्टम लॉक करके सब रोका और 2021 की शुरूआत में खुला छोड़ दिया।

हर्ड इम्युनिटी 2023 तक भी मुश्किल

मेडिकल सिस्टम पर सिर्फ भाषण दिए गए। जनता की सुरक्षा के बजाय बेवजह उत्सव हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति और बिगाड़ दी। राज्य के चुनाव में जीत के लिए प्रचार हुए जहां उन्होंने बिना मास्क के आई हजारों की भीड़ को संबोधित किया। कुंभ मेले को भी इजाजत दे दी। लाखों लोग इकट्ठा हुए और ये कोरोना का हॉटस्पॉट बन गया। पीएम मोदी का सभी को वैक्सीन देने का टारगेट, लेकिन वे देश की उत्पादन क्षमता की असलियत से वाकिफ नहीं हैं। राजनीतिक फायदा जहां से मिले वहां वैक्सीनेशन को प्राथमिकता दी गई, न कि जरूरत के मुताबिक। नतीजा ये कि अभी तक बमुश्किल 10% आबादी को वैक्सीन मिली है। यानी हर्ड इम्युनिटी हासिल करने के लिए जरूरी वैक्सीनेशन शायद 2023 तक भी पूरा न हो सके। इस संकट को देखते हुए ये एकजुटता दिखाने का वक्त है।

अब वाहनों के री-रजिस्ट्रेशन से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली। नौकरीपेशा लोगों को ट्रांसफर होने पर अकसर एक बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है वह है एक राज्य से दूसरे राज्य में वाहन का री-रजिस्ट्रेशन करना। इसके लिए उन्हें न केवल अच्छी खासी मशक्कत करनी पड़ती है, बल्कि जेब भी ज्यादा ढीली करनी पड़ती है। पिछले काफी समय से सरकार से इस समस्या के हल की मांग उठ रही थी। सरकार ने इसे आसान बनाने को लेकर एक मसौदा अधिसूचना जारी की है, जिसके तहत ऐसे वाहनों को खास सीरीज के नंबर जारी किए जाएंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक से दूसरे राज्य में निजी वाहनों के ट्रांसफर करने को लेकर बड़ा कदम उठाया है। मसौदा अधिसूचना (ड्राफ्ट नोटिफिकेशन) के मुताबिक एक राज्य से दूसरे राज्य में शिफ्ट होने वाले निजी वाहनों की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऐसे वाहनों को ह्रह स्हह्रह्र के नंबर अलॉट किए जाएंगे। सरकार ने यह कदम लोगों की सहूलियत और इसे लेकर पैदा हो रही तकनीकी समस्या को देखते हुए उठाया है। इस ड्राफ्ट नोटिफिकेशन पर मंत्रालय ने 30 दिनों के भीतर राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के अलावा आम नागरिकों से सुझाव मांगा है।

संक्षेप में...

गोडाउन में लगी आग, एक घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

रतलाम। शहर के फ्रीगंज रोड स्थित एक गोडाउन में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि मकान में इलेक्ट्रॉनिक सामान और स्क्रैप का गोडाउन था जिसमें आग के बाद भीषण लपटें उठने लगी। आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी जिसके बाद पांच फॉयर फाइटर की मदद से आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि लॉकडाउन की वजह से इस गोडाउन पर कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था अन्यथा भीषण आग की वजह से बड़ा हादसा भी हो सकता था। दरअसल रतलाम के फ्रीगंज रोड पर आज उस वक्त अफरातफरी मच गई जब एक मकान के ऊपरी हिस्से में आग की भीषण लपटें और धुआं उठने लगा। इस मकान में दूरदर्शन इलेक्ट्रॉनिक का गोडाउन बना हुआ है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक सामान और स्क्रैप रखा हुआ था। लॉकडाउन की वजह से गोडाउन पर ताला लगा हुआ था। गौरतलब है कि जिस गोडाउन में आग लगी उसके सामने ही एक निजी डायग्नोस्टिक सेंटर है। जहां कोविड की वजह से सीटी स्कैन कराने वालों की बड़ी संख्या में लाइन और भीड़ लगी हुई थी।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कोविड केयर सेंटर पहुंचकर मरीजों का जाना हालचाल

दतिया। मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि विधायी विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने जिला प्रशासन द्वारा श्री रावतपुरा सरकार इंस्टी्टयूट में बनाये गए कोविड केयर सेंटर का अवलोकन कर कोरोना के भती मरीजों से कुशलक्षेम पूंछा एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के में चर्चा करते हुए कहा किसी प्रकार की समस्या हो उन्हें अवगत करायें। डॉ. मिश्रा ने मरीजों से चर्चा करते हुए उनकी हौसला अफजाई करते हुए कहा कि वह चिन्ता न करें हिम्मत बनाये रखें। शासन, प्रशासन आपके साथ है। उपचार में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जायेगी। उपचार उपरांत स्वास्थ्य होकर अपने घर वापिस जा सकेंगे। इस दौरान गृह मंत्री ने इस दौरान गृहमंत्री ने केन्द्र के प्रभारी चिकित्सक डॉ. हेमंत गौतम से भी मरीजों के संबंध में चर्चा कर जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए कि भती मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान डॉ. गौतम ने बताया कि भती मरीजों को गीत एवं संगीत के माध्यम से मरीजों का मनोबल बढ़ाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, अपर कलेक्टर एके चॉदिल, सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य आदि मौजूद रहे।

दतिया मेडिकल कॉलेज में 15 दिन के अंदर लगेगा ऑक्सीजन प्लांट 1 मिनट में बनाएगा 600 लीटर ऑक्सीजन

दतिया। गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया वासियों की एक और बड़ी सौगात दतिया मेडिकल कॉलेज में 15 दिन के अंदर लगेगा ऑक्सीजन प्लांट जो 1 मिनट में लगभग 600 लीटर ऑक्सीजन पैदा करेगा जिससे दतिया मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं होगी दतिया पहुंचे गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने एक दिवसीय प्रवास के दौरान दतिया वासियों को आज सिटी स्कैन एम आई आर के साथ-साथ ऑक्सीजन प्लांट की बहुत बड़ी सौगात दी है यह सौगात मिलने से अब मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं होगी दतिया के विकास में दादा ने आज एक और कड़ी ऑक्सीजन प्लांट की जोड़ दिए जो बहुत बड़ी सौगात दतिया वासियों के लिए है

जिला चिकित्सालय में 15 दिन एवं मेडीकल कॉलेज में एक माह के अंदर ऑक्सीजन प्लांट शुरू होगा : मंत्री डॉ. मिश्र

ऑक्सीजन के मामले में दतिया आत्म निर्भर बनेगा

16 करोड़ 17 लाख की लागत के कार्यो का किया लोकार्पण

■ दतिया ।

मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि विधायी विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कहा कि जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट 15 दिनों में स्थापित होकर ऑक्सीजन का निर्माण हो शुरू हो जायेगा। इस ऑक्सीजन प्लांट में 500 लीटर प्रति मिनिट के हिसाब से ऑक्सीजन का निर्माण होगा।गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने उक्त आशय के विचार शुक्रवार को जिला चिकित्सालय परिसर दतिया में 16 करोड़ 17 लाख की लागत से निर्मित 150 विस्तरीय जनरल वार्ड, 40 विस्तरीय प्रायवेट वार्ड भवन, एमआरआई एवं सिटी स्केन भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री प्रदीप अग्रवाल, कलेक्टर श्री संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौर, मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. राजेश गौर, श्री बलदेव राज बल्लू, श्री अतुल भूरे चैधरी, श्री सतीश यादव आदि उपस्थित थे।ृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट 15 दिन में स्थापित होकर ऑक्सीजन का निर्माण भी शुरू हो जायेगा। इस प्लांट के द्वारा प्रति मिनिट 500 लीटर के मान से ऑक्सीजन का निर्माण होगा। यह प्लांट डीआरडीओ के तहत निर्मित किया जायेगा। डॉ. मिश्र ने कहा कि इसी प्रकार मेडीकल कॉलेज में भी 600 लीटर प्रतिमिनिट ऑक्सीजन का निर्माण करने वाला प्लांट एक माह के अंदर पूर्ण होकर ऑक्सीजन का निर्माण भी शुरू हो जायेगा। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के क्षेत्र में दतिया आत्म निर्भर होगा और मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आयेगी। सिटी स्केन की सुविधा भी शीघ्र मिलने लगेगी। उन्होंने दतिया को मिली इन सभी सौगातों के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान के प्रति आभार व्यक्त किया। गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने कहा कि कोरोना जैसी विपदा की घड़ी में माँ पीताम्बरा की कृपा से दतिया में ऑक्सीजन, वेटीलेटर, रेमडीसीवर इंजेक्शन, दवाईयां आदि की कोई कमी नहीं हुई है। उन्होंने जिले में कोरोना संक्रण को रोकने एवं कोविड गाईड लाईन का पालन कराये जाने हेतु कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की रणनीति की सराहना करते हुए कहा कि कोविड गाईड लाईन का पालन कराने में हम सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान पुलिस हमें जो सलाह दे उसका पालन करना है इसे अनावश्यक ना लें बल्कि पुलिस का सहयोग करें। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना के संक्रमण को रोकने हेतु सभी लोग मास्क का उपयोग करें, हाथो का सेनेटाईज करें, सोशल डिस्टेसिंग का पूर्ण पलाने करें और अनावश्यक घर से न निकलें। इस दौरान उन्होंने ऑक्सीजन संग्रहण टैंक का भी निरीक्षण किया।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र आज विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे

दतिया । मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधायी विभाग मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र 1 मई 2021 को विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र 1 मई 2021 को प्रातः 9.30 बजे डबरा से दतिया के लिए प्रस्थान कर प्रातः 10 बजे दतिया पहुंचेगे और शनि मंदिर में दर्शन करेंगे। प्रातः 10.30 बजे आप दतिया मेडीकल कॉलेज में कोविड वार्ड में मरीजों से भेंट करेंगे। प्रातः 11 बजे आप वार्ड क्रमांक 1 एवं 3 में राहत सामग्री का वितरण करेंगे। दोपहर 12.30 बजे दतिया निवास पर पहुंचेगे (आरक्षित)। अपरान्ह 3.30 बजे जिला अस्पताल में दतिया में कोविड वार्ड में मरीजों से भेंट करेंगे। सायं 4 बजे ग्राम उपरांय में राहत सामग्री का वितरण करेंगे। सायं 4.15 बजे ग्राम गोराघाट में राहत सामग्री का वितरण करेंगे और 4.45 बजे डबरा निवास पर पहुंचेगे। सायं 7 बजे आप डबरा से ग्वालियर के लिए प्रस्थान कर रात्रि 8 बजे ग्वालियर पहुंचेगे और मेडीकल कॉलेज स्थित कोविड वार्ड में मरीजों से भेंट करेंगे। रात्रि 11.20 बजे आप मालवा एक्सप्रेस से निजामुद्दीन (नई दिल्ली) के लिए प्रस्थान कर प्रातः 4.36 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगे और एमपी भवन के लिए प्रस्थान करेंगे।

गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने कोविड केयर सेंटर पहुंचकर मरीजों का लिया हालचाल

दतिया,। मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि विधायी विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने जिला प्रशासन द्वारा श्री रावतपुरा सरकार इंस्टी्टयूट में बनाये गए कोविड केयर सेंटर का अवलोकन कर कोरोना के भती मरीजों से कुशलक्षेम पूंछा एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के में चर्चा करते हुए कहा किसी प्रकार की समस्या हो उन्हें अवगत करायें। डॉ. मिश्र ने मरीजों से चर्चा करते हुए उनकी हौसला अफजाई करते हुए कहा कि वह चिन्ता न करें हिम्मत बनाये रखें। शासन, प्रशासन आपके साथ है। उपचार में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जायेगी। उपचार उपरांत स्वास्थ्य होकर अपने घर वापिस जा सकेंगे। इस दौरान गृह मंत्री ने इस दौरान गृहमंत्री ने केन्द्र के प्रभारी चिकित्सक डॉ. हेमंत गौतम से भी मरीजों के संबंध में चर्चा कर जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए कि भती मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान डॉ. गौतम ने बताया कि भती मरीजों को गीत एवं संगीत के माध्यम से मरीजों का मनोबल बढ़ाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर, अपर कलेक्टर एके चॉदिल, सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य आदि उपस्थित थे।

मुरारीलाल गुप्ता जी का निधन होना दतिया के लिए एक अपूरणीय क्षति है

दतिया जिला ने एक जुझारू,संघषशील नेता खो दिया।

■ दतिया ।

आज कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव मुरारी लाल गुप्ता जी का निधन होना समूचे दतिया जिले के लिए एक बड़ी क्षति है।आदरणीय मुरारी गुप्ता जी (मुरारी भाईसाहब) ने दतिया में एक संघषशील ,बेबाक एव जुझारू नेता के तौर पर कार्य किया। वह कांग्रेस पाटी के द्वारा वर्ष 2018 में प्रदेश महासचिव बनाये गए थे इसके पूर्व वह सालो तक जिला कांग्रेस कमेटी में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एव प्रदेश पीसीसी में सदस्य भी रहे। श्री गुप्ता जी एक योग्य अनुभवी एवं जुझारू नेता और व्यापार जगत के गणमान्य नागरिक माने जाए थे।समाजसेवा में भी हमेशा अग्रणी रहे एव रोजा अफ्तार जैसे कार्य हर वर्ष कराते रहे। मूलतः श्री गुप्ता दतिया जिले के बड़ौनी तहसील के ग्राम ओरीना निवासी थे। सालो पूर्व दतिया मे आये एव नाजिआई बाज़ार में छोटे गल्ला व्यापारी से शुरू करके सोनालिका इंटरनेशनल ट्रैक्टर के डीलर,आबकारी ठेकेदार, प्रॉपटी डीलिंग आदि कार्य कर सफल व्यापारी वर्ग में शुमार हुए। श्री गुप्ता जी के राजनीतिक सफर की बात करें तो पूर्व विधायक दतिया स्व.श्री शंभू दयाल तिवारी

जी के पोलिंग एजेंट बनकर उनका राजनीतिक सफर शुरू हुआ एवं उसके बाद वर्ष 2003 में श्री गुप्ता ने दतिया विधानसभा से बसपा से टिकट प्राप्त कर चुनाव लड़ा ओर लगभग सात हजार वोट प्राप्त भी किये।इसके बाद वह कांग्रेस में शामिल हुए एव पूर्व मंत्री एवँ लहार विधायक डा गोविंद सिंह के नजदीकी रहे। कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता और नेता श्री गुप्ता का दो बार 2013 एव 2018 में कांग्रेस से विधानसभा टिकट के लिए प्रमुख दावेदारों में नाम रहा। दोनो ही बार उन्होंने गांव गांव जन जागरण यात्रा भी निकाली एव दतिया में कांग्रेस की गांव गांव बात पहुंचाई। चूंकि वह ट्रैक्टर व्यवसाय से जुड़े थे इसलिए न केवल दतिया अपितु पूरे जिले में ग्रामीणो से सीधी पकड़ रखते थे एव हमेशा ग्रमीणो कि समस्याओ के निराकरण को तैयार रहते थे। वेवाक एव खुली बात कहने वाले श्री गुप्ता अपनी पाटी कांग्रेस में भी मुखर होकर गलत का विरोध करते थे। श्री गुप्ता ने पोलिंग एजेंट से लेकर प्रदेश महासचिव तक का राजनीतिक सफर किया लेकिन उन्होंने अपनी परिवार में किसी को भी राजनीति में आगे नही लाये। उनके बड़े भाई रमेश चन्द्र गुप्त नजीआई एव छोटे भाई रामकुमार गुप्ता (पप्पू) भी व्यापार करते है राजनीति से इनका कोई वास्ता नही रहा वही पुत्रगण विकास गुप्ता एव आकाश गुप्ता भी राजनीति से दूर ही रहे और व्यवसाय ही किया है। वर्ष 2018 से 2020 तक मुझे भी कुछ समय श्री गुप्ता जी के सानिध्य में रहने को मिला ।वह बहुत ही मिलनसार व्यक्तित्व रखने वाले व्यक्ति रहे गलत को गलत कहने का साहस भी रखते थे। श्री मुरारी लाल गुप्ता जी के दुखद निधन का समाचार जानकर मुझे व्यक्तिगत रूप से भी बहुत दुःख हुआ उनको कोराना संक्रमण होने से जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा इस दुःख की घडी में परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें

पुलिस की सख्ती के बावजूद घरों से निकल रहे हैं लोग, पुलिस ने दी समझाईश

■ दतिया।

जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने पिछले कई दिनों से कोरोना कर्फ्यू लगा रखा है। इसके बावजूद लोग सड़कों पर आना नहीं छोड़ रहे हैं। शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोगों ने कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन किया जिसके कारण कुछ को खुली जेल भिजवाया गया, तो कुछ के वाहनों के पहिए की हवा निकाल कर रूखसत किया गया। कुछ लोगों को समझाइश भी दी गई।स्थानीय राजगढ़ चौराहा, किला चौक, तिगैलिया और अन्य कई क्षेत्रों में सड़कों पर घूम रहे लोगों से पुलिस ने पूछताछ करने के लिए रोका। इनमें से कई लोग बाहर निकलने की ठोस वजह नहीं बता पाए। इसके बाद पुलिस ने कई युवकों से उठक बैठक लगवाई और कई लोगों की गाड़ी की हवा निकाल कर उन्हें जाने दिया गया। इनमें से कुछ लोगों को बग्गी खाने स्थित खुली जेल भी भिजवाया गया।स्थानीय राजगढ़ चौराहे पर पुलिस निरीक्षक शाशि कुमार एवं एएसआई धर्म सिंह तोमर ने अपने दल के साथ लोगों को रोका और शक्ति अपनाते हुए कई लोगों लोगों के बेवजह सड़क पर घूमने पर वहां से वहां की हवा भी निकाली, लेकिन जहां इसके बावजूद भी लोग वहां से बराबर निकलते रहे। बता दें कि जिले में कोरोना संक्रमण अधिक हो गई है। जब तक कोरोना चैन नहीं टूटेगी, तब तक यह संक्रमण कम भी नहीं होगा। पुलिस की सख्ती के बावजूद लोगों का इस तरह निकलना जान को खतरे में डालने जैसा हो गया है। इधर दूसरी ओर झांसी पुलिस चुंगी नाके पर कई शाम को बेवजह घूमते हुए रोका और समझाइश देकर घर भेजा।

बढ़ते कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने प्रशासन द्वारा 3 मई तक कोसरोना कफ़?र्यू लगाया गया था। सुबह होते ही शहर के सभी मार्गों सिविल लाइन चुंगी से लेकर क़िलाचौक तक पुलिस सख्ती करते हुए लोगों को समझाइश दे रही है। फिर भी लोग घरों से निकलने में बाज नहीं आ रहे है।

मां के बीमार होने पर खाना-पीना छोड़ने वाले बेटे को पसंदीदा ट्रैफिक पुलिस के जवान ने मनाया

■ इंदौर

पुलिस पर अक्सर जनता के साथ अच्छा व्यवहार न करने के आरोप लगते है। इंदौर पुलिस ने इस सोच को बदलने का बेहतर काम किया है। दरअसल कोरोना से पीड़ित एक मां का आठ साल का बेटा उसके अस्पताल में होने से परेशान था और वह मां के पास जाने की जिद कर रहा था। इसी जिद में उसने खाना-पीना भी छोड़ दिया था। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस का जवान मां का मददगार बनकर सामने आया। मां के फोन से बात करने पर भी बेटा मानने को तैयार नहीं था। ऐसे में मां को पता था बेटा जब भी इंदौर में माता-पिता के साथ घूमने निकलता, तो चौराहे पर खड़े जवान रंजीत को डांसिंग ड्यूटी करते देख बड़ा खुश होता था। घर में अकेले रहने के दौरान उसी के वीडियो और फेसबुक पर फोटो देखना अच्छा लगता था। ऐसे में मां को लगा, यदि कांस्टेबल रंजीत उसे समझाएगा, तो बेटा मान जाएगा।

इसके बाद मां ने कोविड सेंटर की मदद से रंजीत का नंबर निकालकर उससे बात की। परेशानी सुन कांस्टेबल रंजीत ने भी परिवार की मदद की। उनके बेटे से वीडियो चैट की, तो उसने रात का खाना खा लिया। इधर, सुबह रंजीत खुद उसके लिए खाना लेकर घर पहुंचा। साथ ही, मां को जल्दी लाने की जानकारी दी। घटना राधा स्वामी कोविड केयर सेंटर की है। बता दें पलासिया इलाके की चंद्रलोक कॉलोनी में रहने वाले इंवेंट आगेर्नाइजर विनय शर्मा की पत्नी बिंदिया शर्मा की कोरोना रिपोर्ट 20 तारीख को पॉजिटिव आई।

सख्त प्रशासन | टांडा में कपड़ा कारोबारी की दुकान में थे 60 लोग तो मुरैना में चप्पल बेचनेवाले के यहां ग्राहकों की भरमार

दुकानों के शटर गिराकर कर रहे थे कारोबार, प्रशासन ने टांडा और मुरैना में दुकानदारों पर की कारवाई

■ धार/मुरैना

प्रदेश में कोरोना से स्थिति खराब है तो दूसरी तरफ कुछ स्थानों पर प्रशासन की आंख में धूल झौंकनेवाले व्यापारी संक्रमण को बढ़ावा दे रहे है। ऐसे ही दो मामले गुरुवार को सोशल मीडिया पर लोगों की हंसी का कारण बने। पहला मामला धार जिले के टांडा का है जहां एक कपड़ा व्यापारी शादी के सीजन में अपनी दुकान का शटर गिराकर सामान बैच रहा था। इसी बीच प्रशासन को इसकी खबर लगी तो उन्होंने दुकान का शटर खुलवाया तो अंदर एक दो नही बल्कि 60 लोग पाए गए। ऐसे में प्रशासन ने दुकान सील करने की कार्रवाई की है। उधर एक अन्य मामला मुरैना जिले का है जहां एक दुकानदार ने शटर डालकर अंदर चप्पल बेच रहा था। इसकी भनक प्रशासन को लगी तो दुकानदार ग्राहकों को अंदर ही बंद करके भाग गया। आधे घंटे बाद मीडिया को लाकर जब दुकान की शटर खोली गई तो अंदर से ग्राहक बाहर आ पाए।

धार के टांडा में कपड़ा व्यापारी गिरफ्तार

धार जिले के टांडा में कपड़ा दुकान में 60 ग्राहक बैठाने का मामला सामने आया। जैसे ही पुलिस के आने की भनक लगी तो ग्राहक को एक हॉल में बंद कर दिया। पुलिस दुकान में घुसी तो कोई नहीं मिला। लेकिन जब खबर पक्की होने से दूसरे हॉल का ताला खुलवाया तो एक-एक करके सभी ग्राहक बाहर निकले। इनकी संख्या 60 के आसपास थी। पुलिस ने आरोपी व्यापारी को गिरफ्तार किया, दुकान सील की है। टांडा सदर बाजार स्थित कपड़े की दुकान पर यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार टांडा पुलिस बल कोरोना कर्फ्यू का पालन करवाने के लिए बाजार में रवाना हुआ, तब ही मुखबिर के द्वारा सूचना मिली कि सदर बाजार स्थित नरेंद्र भाटी स्वयं मास्क न पहनकर व सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं करते हुए अपनी दुकान पर 50 से 60 लोगों को दुकान में बैठाकर व्यापार कर रहा है। दुकान पर काफी भीड़ है व ग्राहकों ने मास्क नहीं पहना है। जिसके कारण कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो दुकान पर मुखबिर के द्वारा बताए अनुसार व्यापारी व्यापार कर रहा था। दुकान के अंदर 50 से 60 ग्राहक मौजूद थे। पुलिस को देख कुछ ग्राहक दुकान से भाग गए। वही पुलिस ने घेराबंदी कर ग्राहक को पकड़ा व नाम पता पूछने पर दुकानदार ने अपना नाम नरेंद्र पिता कांतिलाल भाटी बताया। आरोपी के खिलाफ धारा 188, 270 भादंवि एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस विभाग द्वारा राजस्व विभाग को बुलाकर

मुरैना में शटर डालकर बेच रहा था चप्पलें

उधर मुरैना में गुरुवार को भी पोरसा में ऐसा ही वाकया सामने आया। जब एक दुकानदार, तहसीलदार को देखकर दुकान में ताला लगाकर व उसके अंदर ग्राहकों को बंद करके भाग गया। जब तहसीलदार ने उसे बुलवाया, तो वह नहीं आया। इस पर तहसीलदार ने भी बाहर से दुकान में ताला डाल दिया। आधे घंटे बाद जब वापस आकर तहसीलदार ने ताला खोला, तब, दुकान में ग्राहक बैठे मिले। तहसीलदार को सूचना मिली, कस्बे में एक दुकानदार दुकान का शटर गिरा कर सामान बेच रहा है, तो वे वहां पहुंचे। उससे पहले ही दुकानदार को भनक लग गई। वह दुकान में बैठे ग्राहकों को उसी में बंद करके भाग गया। जब तहसीलदार पहुंचे, तो उन्होंने दुकानदार को बुलवाया, लेकिन कार्रवाई के डर से वह नहीं आया। बाद में

संक्षेप में...

रत्नागिरी की फार्मा कंपनी में भीषण विस्फोट

रत्नागिरी । महाराष्ट्र के रत्नागिरी में एक फार्मा कंपनी में आग लग गई। दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। महाराष्ट्र के रत्नागिरी के एमआईडीसी में एक दवा कंपनी एमआर फार्मा में विस्फोट के बाद आग लग गई। दमकल विभाग की टीम ने कई घंटों की मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया है। दमकल विभाग के अनुसार इस हादसे में कोई घायल और हताहत नहीं हुआ है। इसका एक वीडियो भी वारयरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि इस विस्फोट से धुंए का गुबार ऊपर की और उठता दिखाई दे रहा है और लोग अफरा-तफरी में इधर से उधर भाग रहे हैं। एमआर फार्मा प्राइवेट लिमटेड में सुबह 11 बजे विस्फोट हुआ, जिसके बाद वहां आग लग गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आ रहे हैं।

दिल्ली विवि. के पूर्व प्राध्यापक एन के भट्टाचार्य का निधन

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के पूर्व प्राध्यापक एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता एन के भट्टाचार्य का निधन हो गया है। नागरिक फोरम जन हस्तक्षेप ने बताया कि वह संगठन के समन्वयक थे। जन हस्तक्षेप द्वारा जारी बयान में कहा गया, हमने एक महान मानवाधिकार कार्यकर्ता और एक बेहतरीन इंसान खो दिया। इंडियन फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स ने भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी और उन्हें मानवाधिकार के योद्धा के तौर पर याद किया। इसने एक बयान में कहा कि भट्टाचार्य की सोमवार को यहां मौत हो गई और ऐसा पता चला है कि उनकी बेटी की तीन दिन पहले कोविड-19 से मौत हो गई थी। जन हस्तक्षेप ने अपने बयान में कहा वह उम्र के इस पड़ाव पर अपनी बेटी के जाने का दुख बर्दाश्त नहीं कर पाए।

कोरोना काल में फिरोजाबाद में धूल फांक रहे हैं 67 वेंटिलेटर

फिरोजाबाद । कोरोना महामारी के चलते उत्तर प्रदेश में कई जिलों में वेंटिलेटर की इस समय बहुत जरूरत है। कई जगह वेंटिलेटर है ही नहीं, लेकिन फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेज के आइसोलेशन वार्ड परिसर में 67 नए वेंटीलेटर पिछले एक साल से धूल फांक रहे हैं। उन पर धूल जमी हुई है। इनका इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है।सीएमएस डॉक्टर आलोक शर्मा का कहना है कि हमें जितने वेंटिलेटर की जरूरत है, उसे इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां तादाद से ज्यादा है, इसलिए उनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। हमने शासन को लिखकर भेज दिया है कि वह चाहे तो यहां से उठवा कर जहां जरूरत है, वहां भिजवा दें। डॉक्टर आलोक शर्मा ने कहा कि पिछले साल 114 वेंटिलेटर मंगाए थे। जिसमें काफी तो इस्तेमाल हुए हैं, लेकिन अभी बहुत सारे एक्स्ट्रा रखे हैं। शासन को भी पत्र लिखा है कि किसी और मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में इनकी जरूरत हो तो भिजवाए जा सकते हैं।

पर्यावरण की कीमत पर विकास नहीं होना चाहिएः नायडू

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि दुनिया को ऐसे उद्योग और व्यवसाय जगत के प्रमुखों की आवश्यकता है जो अल्पकालिक लाभ से उपर उठें और दीर्घकालिक स्थिरता की दिशा में काम करें। उपराष्ट्रपति निवास, नई दिल्ली से इंडियन बी-स्कूल्स लीडरशिप कॉन्क्लेव का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए उपराष्ट्रपति ने सचेत किया कि हमारा विकास कभी भी पर्यावरण की कीमत पर नहीं होना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति में हो रही वृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, उन्होंने कहा कि इसके कारण व्यवसायों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इंडियन बी-स्कूल्सः नेविगेटिंग ए सस्टेनेबल फ्यूचर बाई मर्जिंग लोकल एंड ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस विषय पर आयोजित होने वाले इस दो-दिवसीय वर्चुअल कॉन्क्लेव का आयोजन एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी), यूएसए और एजुकेशन प्रमोशन सोसाइटी फॉर इंडिया (ईपीएसआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। भारत और दुनिया के बी-स्कूलों में शिक्षकों के सामने उत्पन्न होने वाले विभिन्न मुद्दों पर 20 से ज्यादा चिंतनशील नेता, डीन, निदेशक और नीति निमार्ता अपना-अपना विचार रखेंगें। नायडू ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के बावजूद इस कॉन्क्लेव का आयोजन करने के लिए एएसीएसबी और ईपीएसआई की सराहना करते हुए कहा कि इस कठिन समय के दौरान यह भारतीय बी-स्कूलों के लिए प्रबंधन शिक्षा में स्थानीय और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने का एक उत्कृष्ट अवसर है।

हल्द्वानी का मुक्तिधाम शवों से पटा, सड़क पर जले शव

हल्द्वानी । हल्द्वानी के मुक्तिधाम में मंगलवार को दिन भर शव जलते रहे। देर रात हालत यह हो गई कि लोगों ने मुक्तिधाम को जाने वाली सड़क पर ही शव जलाना शुरू कर दिया। धाम के गेट से लेकर टिन शेड तक पांच शव जलते रहे। मुक्तिधाम में अव्यवस्थाओं का आलम है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार को एक एक एंबुलेंस पहुंची और चालक शव को गेट पर उतारकर चला गया। आधे घंटे बाद परिजन पहुंचे और उन्होंने शव उठाकर अपने हाथ से चिता लगाई और दाह संस्कार किया। पार्षद महेश चंद का कहना है कि मुक्तिधाम में सफाई और चिताओं की राख उठाने का काम समिति करती है। मंगलवार को समिति के कर्मचारी यहां से चले गए। इस कारण स्थिति और भयावह हो गई है। क्रियाक्रम के लिए भी पंडित नहीं मिल रहे हैं। लोगों को अपने हाथ से ही क्रियाक्रम करना पड़ रहा है। लकड़ी लगाने से लेकर चिता ढोने तक का काम परिवार के लोग ही कर रहे हैं। वहीं मुक्तिधाम में कोविड संक्रमितों के शवों को जलाने के विरोध में मंगलवार को स्थानीय लोगों ने हंगामा कर दिया। उनका आरोप था कि लोग शव जलाने के बाद बायो मेडिकल वेस्ट खुले में फेंक दे रहे हैं।

मेघालय में दिसंबर 2022 तक हर घर जल पहुंचाने की है योजना

■ नईदिल्ली

मेघालय में जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना और कार्यान्वयन पर वार्षिक कार्य योजना बैठक का आयोजन एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ। इसमें राज्य सरकार के अधिकारियों ने जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग की समिति को हर घर जल प्राप्त करने की योजना प्रस्तुत की। बैठक की अध्यक्षता मंत्रालय सचिव ने विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों/ विभागों और नीति आयोग के सदस्यों के साथ की। जल जीवन मिशन भारत सरकार द्वारा 2024 तक देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को घरेलू नल द्वारा जल कनेक्शन प्रदान करने का एक प्रमुख कार्यक्रम है। मेघालय राज्य में 5.89 लाख ग्रामीण परिवार हैं जिनमें से 93 हजार (16 प्रतिशत) ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किए हैं। राज्य ने 2020-21 में 87 हजार नल कनेक्शन प्रदान किए हैं। घर जल के लक्ष्य को प्राप्त करने की है। 2020-21 में, मेघालय उन सात राज्यों में से था, जिन्हें जल जीवन मिशन के तहत प्रदर्शन प्रोत्साहन अनुदान प्राप्त हुआ था। अन्य छह राज्य अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, गुजरात, मणिपुर और हिमाचल प्रदेश थे। जल जीवन मिशन के तहत, 2021-2022 के दौरान, मेघालय को लगभग 350 करोड़ रुपये की केंद्रीय निधि मिलने की संभावना है।

तस्मानिया में हुई गोलीबारी के 25 साल पूरे होने और इसमें मारे गये लोगों की याद में गैली माइलर एक पूल में फूलों को चढ़ाती हुई।

अमेरिका एक बार फिर से टेकऑफ करने को तैयार है

कोरोना की लड़ाई में अमेरिका ने पूरी ताकत झोंक दीः बाइडेन

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को कांग्रेस को अपना पहला संयुक्त संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। हमारा देश एक बार फिर से टेकऑफ करने को तैयार है। हमने जो वैक्सीनेशन प्रोग्राम चलाया, वो देश के इतिहास की सबसे बड़ी अचीवमेंट है।उन्होंने कहा कि अमेरिका फिर से उन्नति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम फिर से काम कर रहे हैं, सपने देख रहे हैं और नई चीजें तलाश रहे हैं। अमेरिका एक बार फिर से दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। हमने एक-दूसरे और दुनिया को दिखाया है कि अमेरिका में हार मानने का कोई विकल्प नहीं है।

बाइडेन ने अर्थव्यवस्था पर कहा कि इकोनॉमी को पटरी पर लाने के लिए हमें और कोशिशें करनी होंगी। मुझे पूरा भरोसा है कि हम बेहतर तरीके से वापसी करेंगे। अमेरिका के लोगों से कोरोना वैक्सीन लगवाने की अपील करते

हुए कहा कि जाइए! वैक्सीनेशन कराइए, हमारे पास वैक्सीन की कोई कमी नहीं है।

चीन से टकराव नहीं चाहता अमेरिका

बाइडेन ने कहा कि अमेरिका इंडो-पेसिफिक रीजन में सेना की मजबूत मौजूदगी बनाए रखेगा। यह संघर्ष शुरू करने के लिए नहीं है बल्कि दूसरे देशों को ऐसा करने से रोकने के लिए है। मैंने चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग से कहा था कि अमेरिका प्रतिस्पर्धा का स्वागत करता है, लेकिन टकराव नहीं चाहता।

स्पीकर नैंसी पेलोसी ने दिया था न्यौता

अमेरिका में प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने बाइडेन को न्यौता भेजा था। बाइडेन ने कांग्रेस में किसी संयुक्त सत्र को पहली बार संबोधित किया है। पेलोसी ने बाइडेन को लिखे पत्र में कहा था कि करीब 100 दिन पहले जब आपने राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाली थी, तब आपने बहुत आशा भरी भावना से संकल्प लिया था कि मदद आने वाली है। अब आपके ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी नेतृत्व के कारण मदद यहां पहुंच गई है। उन्होंने कहा था कि इसी भावना से मैं आपको इस ऐतिहासिक क्षण की चुनौतियों और अवसरों पर अपने विचार शेयर करने के लिए कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए आमंत्रित करती हूं। इसके बाद बाइडेन ने पेलोसी के आमंत्रण को स्वीकार कर लिया था।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए जारी की ट्रेवल एजवाइजरी

कोरोना वायरस संकट के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों को भारत की यात्रा न करने और जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है। उसने कहा कि ऐसा करना सुरक्षित है क्योंकि भारत में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बीच सभी तरह की चिकित्सीय देखभाल के संसाधन सीमित हो गए हैं। अमेरिका ने भारत पर चौथे चरण का यात्रा परामर्श जारी किया है जो विदेश विभाग द्वारा जारी किए जाने वाला सबसे अधिक स्तर का परामर्श होता है। परामर्श में अमेरिकी नागरिकों से भारत की यात्रा न करने या जल्द से जल्द वहां से निकलने के लिए कहा गया है क्योंकि देश में मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति के कारण ऐसा करना सुरक्षित है। विदेश विभाग ने ट्वीट किया, 'भारत में कोविड-19 के मामलों के कारण चिकित्सीय देखभाल के संसाधन बेहद सीमित हैं। भारत छोड़ने की इच्छा रखने वाले अमेरिकी नागरिकों को अभी उपलब्ध वाणिज्यिक विकल्पों का इस्तेमाल करना चाहिए। अमेरिका के लिए रोज चलने वाली उड़ानें और पेरिस तथा फ्रैंकफर्ट से होकर आने वाली उड़ानें उपलब्ध हैं।

न्यूजीलैंड के गिसबोर्न शहर में भूकंप के झटके, रिएक्टर पैमाने पर तीव्रता 5.4 मापी गई

गिसबोर्न ■ एजेंसी

न्यूजीलैंड में गुरूवार को तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके न्यूजीलैंड के गिसबोर्न शहर में दोपहर 3.58 बजे महसूस किए गए हैं। इसके रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने यह जानकारी दी है। भूकंप का एपीसेंटर शहर से 168 डट दूर दर्ज किया गया है। भूकंप के बाद से ही इलाके में दहशत का माहौल है इसका एपीसेंटर दक्षिण अक्षांश से 37.58 डिग्री और पूर्वी अक्षांश के 179.36 डिग्री पर 10 किमी की गहराई में दर्ज किया गया है। फिलहाल किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

3 हफ्ते पहले 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था

न्यूजीलैंड में 3 हफ्ते पहले भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। झटके उत्तरी द्वीप के पूर्वी तट पर महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई थी।

पिछले महीने आया था 8.1 तीव्रता का भूकंप

न्यूजीलैंड के उत्तरी-पूर्वी तट पर पिछले महीने 8.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद इस इलाके में सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था। भूकंप उत्तरी आइसलैंड के पास केरमाडेक द्वीप पर आया था। इससे पहले कुछ इलाकों में 7.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था।भूकंप का पहला झटका उत्तरी आइसलैंड से 900 किलोमीटर दूर आया। ये 7.2 तीव्रता का था। न्यूजीलैंड की नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने भूकंप के बाद सुनामी को लेकर अलर्ट जारी किया था।

भारत में रेलवे के 169 कोच कोविड 19 के उपयोग

■ नईदिल्ली

देश में बढ़ते कोरोना वायरस से मुकाबले के लिए एकजुट प्रयास के अंतर्गत रेल मंत्रालय ने लगभग 4000 रेल डिब्बों को कोविड देखभाल डिब्बों में तब्दील किया है जिसमें लगभग 64000 बिस्तर विभिन्न राज्यों के इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराये गए हैं। कोविड मरीजों की देखभाल हेतु देश के विभिन्न राज्यों में अब तक 169 रेल डिब्बे उपलब्ध कराये जा चुके हैं। नागपुर जिले से कोविड देखभाल डिब्बों की नई मांग की गई है। इसके अंतर्गत डिविजनल रेल प्रबंधक, नागपुर और नागपुर नगर निगम आयुक्त के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रेलवे इस

मांग को पूरा करने के लिए 11 डिब्बों को उपलब्ध कराएगा जिन्हें कोविड-19 देखभाल डिब्बों में तब्दील किया गया है और प्रत्येक डिब्बे में 16 मरीजों को रखा जा सकता है। इन रेल डिब्बों में चिकित्सा की बुनियादी सुविधाएं राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी। एमओयू के अनुसार रेलवे स्वच्छता और खानपान का प्रबंधन देखेगा।

चीन में नर्सरी स्कूल पर चाकूबाज का हमला 16 बच्चे घायल

पेइचिंग। चीन के ग्वांग्शी प्रांत में एक नर्सरी स्कूल पर एक व्यक्ति ने चाकू से हमला करके 16 बच्चों को घायल कर दिया। इसमें से दो बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में भी लिया है। इस हमलावर ने कुल 18 लोगों को चाकू मारा, जिसमें 16 बच्चे हैं। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, यह हमला ग्वांग्शी के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के बीलियू शहर में हुआ। कई रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की गई है। हमलावर की उम्र 25 साल बताई जा रही है, लेकिन हमला करने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। बच्चों को जिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ब्रिटेन ने कहा-भारत को नहीं दे सकते वैक्सीन

लंदन ■ एजेंसी

ब्रिटेन के हेल्थ मिनिस्टर मैट हनूक ने साफ कर दिया कि उनके देश के पास कोविड-19 वैक्सीन का ओवर स्टॉक नहीं है। हनूक के मुताबिक- ब्रिटेन के पास उसकी जरूरत के हिसाब से वैक्सीन हैं, इसे एक्सेस स्टॉक नहीं कहना चाहिए। यही वजह है कि हम भारत को वैक्सीन नहीं दे पाएंगे। इसके अलावा वेंटिलेटर्स और दूसरे जरूरी मेडिकल इक्युपमेंट्स नई दिल्ली भेजे जा रहे हैं। हनूक ने कहा-ब्रिटेन में अब वेंटिलेटर्स की जरूरत नहीं है, लिहाजा अब ये भारत भेजे जा रहे हैं। भारत के

पास अपनी वैक्सीन है जो ब्रिटिश टेक्नोलॉजी पर बेस्ड है। यह बहुत बड़ी कामयाबी है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया दुनिया के किसी भी ऑर्गनाइजेशन से ज्यादा वैक्सीन बना रहा है। फिजी में कोराना का इंडियन वैरिएंट मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। महामारी की चेन तोड़ने के लिए फिजी की राजधानी सुवा में बीते दिन ही 14 दिन का लॉकडाउन लगाया गया था। इसके एक महज एक दिन बाद भारतीय वैरिएंट की पुष्टि होने के बाद हेल्थ डिपार्टमेंट चिंता में पड़ गया है।

भारत को यूएस से 1 करोड़ डोज संभव

न्यूयाक । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारत की मदद के लिए वैक्सीन, रॉ मेटेरियल समेत अन्य उपकरण भारत भेजने की बात कही है। इस मदद को भारतीय अमेरिकी सांसदों और विशेषज्ञों ने नाकाफी बताया है। इनका कहना है, भारत में महामारी की गंभीरता को देखते हुए, वर्तमान अमेरिकी सहायता पर्याप्त नहीं है। बाइडेन प्रशासन को 'भारत के लिए भेजे जाने वाली ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर्स और एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की सप्लाई को दोगुना करना चाहिए।इ साथ ही इन्होंने यह भी कहा कि भारत में बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए यह महत्वपूर्ण था‹

फटकार | आक्सीजन को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में गुरुवार को भी सुनवाई हुई

हाईकोर्ट : केंद्र ने एमपी, महाराष्ट्र को दी ज्यादा ऑक्सीजन तो क्यों नहीं बढ़ा दिल्ली का कोटा

■ नई दिल्ली

अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी और ऑक्सीजन की उपलब्धता के विषय पर दिल्ली हाई कोर्ट में गुरुवार को भी सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि क्यों मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के मांगने पर उन्हें ज्यादा ऑक्सीजन दी गई जबकि दिल्ली का आवंटन नहीं बढ़ाया गया। जस्टिस विपिन संघी और रेखा पल्ली की बेंच ने केंद्र सरकार से यह सवाल केंद्र से पूछा। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार या तो अपने इस कदम के लिए सफाई पेश करे या अपनी कार्रवाई में बदलाव करें।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को कहा कि केंद्र सरकार कोर्ट के सवालों का जवाब देगी और

यह भी बताएगी कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र को ज्यादा ऑक्सीजन देने का क्या कारण है।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कई ऐसे राज्य भी हैं, जिन्होंने जितनी ऑक्सीजन मांगी उन्हें उससे कम ऑक्सीजन ही मिल सकी। हम इसे तर्कसंगत कर रहे हैं।वहीं दिल्ली सरकार के वकील राहुल मेहरा ने कोर्ट के सामने कई राज्यों द्वारा की गई ऑक्सीजन मांग और उन्हें आवंटित की गई ऑक्सीजन की सूची रखी। राहुल मेहरा ने कहा कि केवल दिल्ली को ही ऑक्सीजन का वह कोटा नहीं दिया गया, जिसकी मांग की जा रही थी। वहीं दूसरे राज्यों को उनके द्वारा मांगे गए ऑक्सीजन के मुकाबले ज्यादा या मांग के मुताबिक ऑक्सीजन दी गई।

जब्त दवा की जानकारी तुरंत आयुक्त को दें

इस बीच दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों से जब्त रेमडिसीविर को दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग रिलीज करने का ऑर्डर जारी करे। जस्टिस विपिन सांघी और रेखा पल्ली की बेंच ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जब्त दवाई पुलिस के पास केस प्रॉपर्टी की तरह नहीं रहे और उसे जरूरतमंद मरीजों को दिया जा सके। कोर्ट ने कहा कि जब्त दवा के बारे में पुलिस अधिकारी तुरंत राजस्व विभाग के डिप्टी कमिश्नर को जानकारी देंगे।

अमेरिका में अमीरों से दोगुने टैक्स की वसूली

एजेंसी ■ न्यूयार्क

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अमीरों से ज्यादा टैक्स वसूल कर बच्चों की शिक्षा और गरीब-मध्यमवर्ग परिवारों पर खर्च करने जा रहे हैं। बाइडन ने बाल विकास और शिक्षा के लिए 130 लाख करोड़ रुपए के नए प्लान की घोषणा की है। इस रकम की पूर्ति अमीर अमेरिकी नागरिकों से टैक्स वसूल कर की जाएगी। इसे अमेरिकन फैमिली एड प्लान नाम दिया गया है। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ने कांग्रेस के संयुक्त सत्र में दिए अपने पहले संबोधन में इस का खुलासा किया। इससे एक दिन पहले बाइडन ने सालाना 75 लाख रुपए के ऊपर आय वालों पर लगने वाला टैक्स 20 फीसदी से बढ़ाकर 39.6 फीसदी करने की घोषणा की थी। बाइडन की तैयारी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 165 लाख करोड़ रुपए और कोरोना सहायता फंड के तौर पर 142.5 लाख करोड़ रुपए खर्च करने की भी है। लेकिन ये दोनों प्रस्ताव फिलहाल लंबित हैं। व्हाइट हाउस की वरिष्ठ सलाहकार अनीता डन ने एक लिखित बयान में कहा-राष्ट्रपति बाइडन मानते हैं कि अमेरिकी कर व्यवस्था टूट चुकी है क्योंकि यहां हेज फंड मैनेजर हजारों करोड़ रुपए की कमाई करता है और इसके बावजूद वो अपने घर में काम करने वाले कर्मचारियों से भी कम टैक्स देता है। इस व्यवस्था को सुधारने के लिए ही बाइडन ये कदम उठा रहे हैं, ताकि नई कर व्यवस्था में जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को पर्याप्त सरकारी अनुदान मिल सके।

संपादकीय

लोकल लॉकडाउन ही लगे

कोरोना की दूसरी लहर से देशभर में जो इलाके सबसे अधिक प्रभावित हैं, सिर्फ वहां लॉकडाउन लगाने का विचार व्यावहारिक तकाजों के मुताबिक ही है। पिछले साल के देशव्यापी लॉकडाउन के तल्ख अनुभवों को देखते हुए केंद्र सरकार ने इस बार लॉकडाउन का फैसला राज्य सरकारों पर छोड़ा है। राज्य अलग-अलग हिस्सों में संक्रमण की स्थिति और आर्थिक गतिविधियों की अनिवार्यता संबंधी दोनों पहलुओं पर गौर करते हुए यह फैसला कर रहे हैं कि कहां किस तरह की पाबंदियां लगनी चाहिए। मगर धीरे-धीरे यह भी महसूस किया जा रहा है कि यह फैसला पूरी तरह राज्य सरकारों पर छोड़ना मुनासिब नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर तालमेल के साथ चला जाए तो अपेक्षाकृत कम समय में बेहतर नतीजे हासिल किए जा सकते हैं। इसी सोच के तहत स्वास्थ्य विभाग ने देश भर में ऐसे 150 जिलों की पहचान की है, जहां पॉजिटिविटी रेट 15 फीसदी से ऊपर पाई गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय का सुझाव है कि इन जिलों में आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सख्त लॉकडाउन लागू किया जाए। यों तो इस संबंध में अंतिम फैसला संबंधित राज्य सरकारों से विचार-विमर्श के बाद लिया जाना है, लेकिन हालात जिस तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं उसके मद्देनजर इस फैसले पर अमल में देर नहीं की जानी चाहिए।

इसमें कोई शक नहीं कि लॉकडाउन मजबूरी का विकल्प है। लेकिन देश के बड़े हिस्से में महामारी की जो स्थिति है, उसमें लॉकडाउन जैसा कड़ा और अप्रिय कदम उठाना अनिवार्य होता जा रहा है। यह स्पष्ट है कि इस संक्रमण को नियंत्रित करने के दो ही तरीके हैं। एक, भीड़ इकट्ठी न होने पाए और सामाजिक दूरी बनाए रखी जाए और दो, अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन के सुरक्षा घेरे में लाया जाए। वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाने की तमाम कोशिशों के बीच भी यह स्पष्ट हो गया है कि 18 साल से ऊपर के लोगों को बड़े पैमाने पर टीके की जद में लाने का काम अगले महीने के दूसरे-तीसरे सप्ताह तक ही शुरू हो पाएगा। तब तक संक्रमण को यथासंभव रोके रखने का यही उपाय हो सकता है कि जिन इलाकों में वायरस के सबसे ज्यादा फैलने की आशंका हो, वहां सख्त लॉकडाउन घोषित किया जाए और देश के बाकी इलाकों में सावधानी के साथ आर्थिक गतिविधियां चलने दी जाएं ताकि महामारी और अर्थव्यवस्था दोनों मोर्चों पर स्थिति संभली रहे। जरूरी यह भी है कि टीके उपलब्ध हो जाने के बाद जब जोर-शोर से वैक्सिनेशन ड्राइव शुरू की जाए, तब भी इन 150 जिलों को प्राथमिकता में रखा जाए ताकि लॉकडाउन की सख्ती से मिला फायदा हाथ से निकल न जाए।

टीकों पर थम नहीं रही केंद्र और राज्यों की तकरार

नरेंद्र नाथ

> केंद्र ने तर्क दिया कि वह जो कम कीमत पर वैक्सीन खरीद रहा है, उससे भी राज्यों को ही आपूर्ति की जाएगी। केंद्र का कहना है कि पहले से जो 45 साल के ऊपर के लोगों का टीकाकरण हो रहा है, उसमें भी अभी कई बाकी हैं, जिनके लिए केंद्र पहले की तरह आपूर्ति जारी रखेगा। लेकिन विपक्षी राज्यों ने केंद्र सरकार पर असमानता का आरोप लगाया कि वह इसकी आपूर्ति में पारदर्शिता नहीं बरत रही। अब, जब एक मई से टीकाकरण का अगला चरण शुरू होगा तो यह विवाद और बढ़ सकता है।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर से बचाव के लिए प्रयास जारी हैं। इस दौरान केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों को लेकर एक बार फिर से बहस शुरू हो गई है। सवाल उठा कि इलाज के लिए संसाधनों की आपूर्ति और टीके की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किसके पास कितने अधिकार हैं। बहस की शुरूआत यहीं से हुई। अब मामला अदालतों तक पहुंचा है। कई राज्य, खासकर विपक्षी दलों के शासन वाले राज्य कोरोना की दूसरी लहर के लिए केंद्र सरकार की लापरवाही को दोषी ठहरा रहे हैं, तो केंद्र सरकार स्वास्थ्य को राज्य सरकार का मसला बताकर उन पर थोप रही है। जब देश भर के अस्पतालों में ऑक्सिजन की कमी की खबरें आईं, तब भी राज्य और केंद्र ने एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोपी। इससे पहले विवाद टीके की कीमत और इसकी आपूर्ति को लेकर था। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब केंद्र और राज्यों के बीच अधिकार को लेकर इस तरह की बहस उठी हो। सालों से इस मामले को लेकर विवाद रहा है। जानकारों के अनुसार कोविड काल में इस विवाद से सीख लेते हुए अब भविष्य के लिए एक स्पष्ट नीति की सख्त जरूरत है।

इस बार यह साफ दिख रहा है कि केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय नहीं है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। सबसे पहले कोविड टीकाकरण को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच विवाद बढ़ा। हालांकि इसकी शुरूआत इस साल जनवरी में ही हो गई थी, जब केंद्र ने इस प्रक्रिया को अपने अधीन रखकर लोगों को टीका

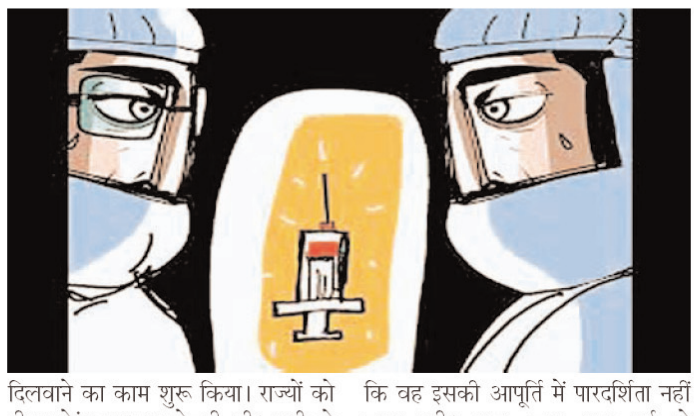

दिलवाने का काम शुरू किया। राज्यों को टीका केंद्र सरकार भेजती थी। तभी से विपक्षी राज्यों ने इसकी प्रक्रिया और खरीद का अधिकार मांगा। लेकिन केंद्र सरकार ने दूसरी लहर के तेज होने तक राज्यों की मांग को दरकिनार किए रखा। इस मसले पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी, तो कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी मांग की। जब कोविड की दूसरी लहर तेज हुई, तब केंद्र सरकार ने इनकी मांग मानते हुए 1 मई से राज्यों को सब कुछ तय करने का अधिकार दे दिया। 18 साल से ऊपर के लोगों के टीकाकरण का अधिकार तो राज्यों को दे दिया गया, लेकिन यहां भी कीमत को लेकर बात अटक गई।

केंद्र ने तर्क दिया कि वह जो कम कीमत पर वैक्सीन खरीद रहा है, उससे भी राज्यों को ही आपूर्ति की जाएगी। केंद्र का कहना है कि पहले से जो 45 साल के ऊपर के लोगों का टीकाकरण हो रहा है, उसमें भी अभी कई बाकी हैं, जिनके लिए केंद्र पहले की तरह आपूर्ति जारी रखेगा। लेकिन विपक्षी राज्यों ने केंद्र सरकार पर असमानता का आरोप लगाया कि वह इसकी आपूर्ति में पारदर्शिता नहीं बरत रही। अब, जब एक मई से टीकाकरण का अगला चरण शुरू होगा तो यह विवाद और बढ़ सकता है। कांग्रेस शासित राज्यों ने पहले ही कह दिया है कि उनके पास उस दिन टीकाकरण शुरू करने के लिए टीका ही नहीं है। टीके पर केंद्र और राज्यों के बीच नोंक-झोंक चल ही रही थी कि ऑक्सिजन की आपूर्ति को लेकर भी बहस शुरू हो गई। राज्यों ने इसका ठीकरा केंद्र सरकार पर फोड़ा, लेकिन केंद्र ने कहा कि राज्यों को इसका इंतजाम करना चाहिए था। हालांकि कोविड की पहली लहर को याद करें, तो उस समय इतनी उलझन नहीं थी। राज्यों ने इसके लिए केंद्र सरकार पर आरोप लगाया और कहा कि वह जानबूझकर जिम्मेदारी से भाग रही है। लेकिन केंद्र सरकार ने कहा कि राज्यों को अपने हिसाब से महामारी के प्रसार के अनुरूप फैसला लेने के अधिकार दिए गए हैं, जिसमें कुछ भी गलत नहीं है। इसी कारण केंद्र ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन नहीं लगाया और राज्यों को ऐसा करने का अधिकार दे दिया।

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच ऐसे विवादों और मतभेदों की सूची बड़ी लंबी है। हाल-फिलहाल में आयुष्मान योजना से जुड़े कार्यक्रमों को लागू करने के मसले पर भी दोनों के बीच मतभेद सामने आए थे। कुछ राज्यों ने इसे अपने अधिकार क्षेत्र में प्रवेश बताया और तुरंत लागू करने से इनकार किया। जानकारों के अनुसार राजनीति के कारण ऐसे मतभेद आते रहे हैं, और इसके लिए स्पष्ट कानून बनाने का भी कोई असर नहीं पड़ेगा। वैसे जहां तक कानून की बात है, पिछले कई दशकों में आए ढेरों मौकों पर इसमें स्पष्टता लाने की कोशिश हुई, तो कई प्रस्ताव अभी भी सालों से लंबित ही हैं। ऐसी ही एक अनुशंसा पंछी कमीशन की है, जिस पर केंद्र-राज्य के बीच विवाद होता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एमएम पंछी के नेतृत्व में बनी कमिटी ने केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर संबंधों पर अपनी रिपोर्ट 2008 में दे दी थी, जिसमें इस प्रस्ताव का उल्लेख किया गया था। अब होम मिनिस्ट्री सभी राज्यों की सहमति इस मुद्दे पर चाहती है और इसके लिए नए सिरे से पहल हो सकती है। प्रस्तावित अनुशंसा के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसलों में केंद्र सरकार देश के अंदर सुरक्षात्मक कदम उठा सकती है। इसकी जरूरत आतंकी हमले, दंगे या ऐसे दूसरे मामलों में पड़ती है। राज्य सरकारें दो कारणों से इस प्रस्ताव का विरोध कर रही हैं। पहला यह कि वे इसे अपनी आजादी में दखल मानती हैं, और दूसरा यह कि इसके लिए आधार में स्पष्टता नहीं है। इसी कारण पिछले एक दशक से इस मसले पर न कभी कोई सर्वसम्मति बनी और न ही आगे बढ़ने की कोई और राह खुल सकी।

।। अनमोल वचन ।।

हमेशा काम को करने के पक्ष में रहिये। आप उस बड़ी योजना को छोटे -छोटे चरणों में बाँट सकते हैं और पहला कदम तुरंत ही उठा सकते हैं ।

पंचायत चुनावों में इलेक्शन ड्यूटी में जिन अधिकारियों, शिक्षकों व कर्मचारियों की मृत्यु कोरोना संक्रमण से हुई है उनके परिवारों को उप्र सरकार तत्काल 50 लाख की सहायता राशि प्रदान करे। भाजपा सरकार सुरक्षा दे अन्यथा सरकारी कर्मी व शिक्षक मतगणना का बहिष्कार करने पर बाध्य हो जाएँगे।

-अखिलेश यादव, सपा नेता

अस्पताल बैडों, दवाओं या ऑक्सीजन सिलैंडर की उपलब्धता से निपटने के लिए नोडल अधिकारी को कम से कम सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में नियुक्त किया जाना चाहिए था। मीडिया अंधेरे में लोगों को टटोलते हुए, अपने मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक ले जाने या दूर-दूर के स्थानों से ऑक्सीजन सिलैंडर की व्यवस्था करने की कोशिश करने के बारे में रिपोर्ट करता रहा है। जाहिर तौर पर देश में ऐसे लोग भी हैं जो लाभ कमाने के लिए संकट का सबसे अधिक उपयोग कर रहे हैं। ऐसे लोग गंभीर निंदा के लायक हैं। ऐसी भी रिपोर्टें हैं जबकि एम्बुलैंस ड्राइवर मरीजों को अस्पताल ले जाने के लिए लोगों से कई गुणा ज्यादा चार्ज कर रहे हैं। दवाओं की जमाखोरी कर भी लोग मुनाफा कमाने में लगे हुए हैं।

संकट के इस दौर में जनता तक पहुंचे सरकार

भारत वर्तमान में राष्ट्रीय आपातकाल और सदी का सबसे खराब चिकित्सा संकट झेल रहा है। हम अभी भी समस्या के सटीक परिणाम के बारे में नहीं जानते या फिर यूं कहें कि यह कब खत्म होगा वह भी नहीं जानते। निश्चित तौर पर यह सबसे कठिन समय है जिसमें से हम गुजर रहे हैं। हम पहले से ही 2 लाख से अधिक नागरिकों को खो चुके हैं जो उन सभी सैनिकों से 10 गुणा अधिक हैं जिन्होंने आजादी के बाद से लड़े. गए सभी युद्धों के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। अमरीका में 2001 में 9/11 हमले में जान गंवाने वाले व्यक्तियों की संख्या की तुलना में दैनिक मृत्यु दर बदतर है। एक आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश में कोविड के 30 लाख सक्रिय मामले हैं। हालांकि वास्तविक आंकड़े बहुत अधिक हैं।

अतीत में देश कुछ अन्य कठिन समय से भी गुजरा है जिसमें प्राकृतिक आपदाएं भी शामिल हैं। मगर पूर्व में ऐसी कोई मिसाल नहीं जब देश ने सरकार को कार्रवाई से गायब देखा हो। ऐसा लगता है कि लोगों को उनके खुद के भरोसे पर छोड़ दिया गया है। न तो यहां कोई कंट्रोल रूम और न ही केंद्रीयकृत सूचना सैंटर है जो लोगों को जरूरी मूलभूत आवश्यकताओं जैसे अस्पताल बैडों, ऑक्सीजन या फिर दवाइयों के बारे लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए निर्देश या सूचना दे सके।

अस्पताल के बिस्तरों, ऑक्सीजन के सिलैंडरों और यहां तक कि बुनियादी दवाओं की तलाश में मारामारी कर रहे कोविड रोगियों के परिवारों की तस्वीरें और वीडियो दिखना एक आम बात हो गई है।

श्मशानघाटों और कब्रिस्तानों पर अपने निकट और प्रिय लोगों के अंतिम संस्कार करने के लिए इंतजार करने वाले लोगों के दृश्य को देख कर दिल दहल जाता है। ऐसे परिवारों का मार्गदर्शन करने और किसी भी प्रकार की राहत प्रदान करने के लिए शायद ही कोई सरकारी एजैंसी उपलब्ध हो। किसी भी अधिकारी को उन लोगों से निपटने और यह देखने के लिए कि उन्हें क्या सहायता प्रदान की जाए, नामित नहीं किया गया है।

अस्पताल बैडों, दवाओं या ऑक्सीजन सिलैंडर की उपलब्धता से निपटने के लिए नोडल अधिकारी को कम से कम सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में नियुक्त किया जाना चाहिए था। मीडिया अंधेरे में लोगों को टटोलते हुए, अपने मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक ले जाने या दूर-दूर के स्थानों से ऑक्सीजन सिलैंडर की व्यवस्था करने की कोशिश करने के बारे में रिपोर्ट करता रहा है। जाहिर तौर पर देश में ऐसे लोग भी हैं जो लाभ कमाने के लिए संकट का सबसे अधिक उपयोग कर रहे हैं। ऐसे लोग गंभीर निंदा के लायक हैं। ऐसी भी रिपोर्टें हैं जबकि एम्बुलैंस ड्राइवर मरीजों को अस्पताल ले जाने के लिए लोगों से कई गुणा ज्यादा चार्ज कर रहे हैं। दवाओं की जमाखोरी कर भी लोग मुनाफा कमाने में लगे हुए हैं। ऐसे समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

एक बार जब युद्ध जैसा संकट पैदा होता है, तो अराजकता एवं आक्रोश शीर्ष पर होता है। लोग, खासकर मरीजों के रिश्तेदार और मित्र नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं और अक्सर अस्पताल कर्मियों के साथ बुरा व्यवहार करते हैं, जो वास्तव में असहाय होते हैं। चूंकि वे दिखाई देते हैं और मौके पर मौजूद होते हैं, इसलिए वे खामियाजा भुगतते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे ज्यादा दिखने वाले और 1.3 अरब लोगों के भरोसेमंद नेता हैं। एक आम आदमी को उम्मीद है कि वह हर चीज का तुरंत हल ढूंढ लेंगे। इसलिए वह सबकी आलोचना का शिकार होते हैं।

बेशक देश में ऐसे कई दयालु व्यक्ति और एन.जी.ओ. भी हैं जो ऐसे कठिन समय में लोगों की सहायता में जुटे हुए हैं। उनके प्रयासों की कद्र करनी चाहिए। हम सबका यह कर्त्तव्य बनता है कि इस संकट की घड़ी में अपने से जो कुछ भी बन पड़े वह करना चाहिए। पेशेवरों की ऐसी श्रेणी भी है जो हमारे सभी समर्थन और आभार के योग्य है। यह डाक्टर और पैरामैडीकल स्टाफ है जो मांग की वार्ड को पूरा करने के लिए बहुत ज्यादा सक्रिय हैं। दिल्ली में एक हालिया घटना के दौरान एक मरीज के पारिवारिक सदस्यों द्वारा डाक्टरों और पैरामैडीकल स्टाफ की पिटाई करते हुए देखा गया। ऐसे दोषियों के खिलाफ अधिकारियों को त्वरित और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। सरकारों को जनता तक पहुंचने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महामारी की पहली लहर के दौरान आधा दर्जन से ज्यादा बार राष्ट्र को संबोधित किया। मगर इस समय उन्होंने एक बार राष्ट्रीय उपस्थिति बनाई। केवल उन्हें ही नहीं मुख्यमंत्रियों सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी इस महत्वपूर्ण मोड़ पर लोगों तक पहुंचना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हाल ही में किए गए झूठे दावों पर जोर नहीं देना चाहिए जिसके तहत उन्होंने दावा किया कि उनके राज्य में बैड या ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। प्रभावित व्यक्तियों के वीडियो ने उनके दावों को खारिज कर दिया और सरकार की विश्वसनीयता को खत्म कर दिया।

विपिन पब्बी

प्रेरक प्रसंग

कुप्रथा की समाप्ति

बात तब की है, जब भगवान महावीर सारा राजवैभव त्याग कर दीक्षा धारण करने के लिए खंड वन नाम के एक उद्यान की ओर जा रहे थे। उनके साथ-साथ अनेक राजपुरुष भी चल रहे थे। तभी अचानक भीड़ को चीरता हुए एक व्यक्ति तेजी से महावीर की ओर बढ़ा। साथ चलते राजपुरुषों ने उस व्यक्ति को पीछे धकेलने की बहुत कोशिश की, मगर वह नहीं रुका और पूरा दम लगाकर महावीर की ओर बढ़ता ही रहा।

यह देखकर कई लोग जोर से चिल्लाए, अरे इस चांडाल को रोको! कहीं यह महावीर को न छू ले! दरअसल वह व्यक्ति हरिकेशी चांडाल था और उस समय चांडालों को नीच जाति का माना जाता था। वे किसी को छूने की हिम्मत भी नहीं कर सकते थे। महावीर ने जब शोर सुना और उस चांडाल को अपनी ओर आते देखा तो उन्होंने साथ चल रहे राजपुरुषों को कहा, उसे मत रोको। उसे मेरे पास आने दो। महावीर की इस बात पर सभी स्तब्ध रह गए, मगर बोलने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। जिनके पास जाने की जिद वह व्यक्ति कर रहा था, जब वही उसे आने के लिए कह रहे हैं, तो भला उसे कौन रोक सकता था।

हरिकेशी ने पास आकर महावीर के चरण स्पर्श करने चाहे तो महावीर ने उसे अपने दोनों हाथों से उठाकर गले से लगा लिया। हरिकेशी का हरिभजन सार्थक हो गया। वह धन्य हो गया। इस घटना को सभी आश्चर्य से देख रहे थे। एक राजकुमार, जो संन्यास लेने जा रहा हो, वह एक अछूत चांडाल को, जिसकी छाया छूनी भी वर्जित मानी जाती हो, स्वयं अपने गले से लगा ले। तब के समय में यह एक बड़ी विलक्षण घटना थी। इस घटना से महावीर ने उस समय के समाज में फैली जातिवाद की कुप्रथा को समाप्त करने का संदेश देकर नई शुरूआत की।

क्रिकेट प्रबंधकों की बेरहमी

भारत का क्रिकेट प्रबंधन किस हद तक असंवेदनशील और लालची है, इसकी ही ये मिसाल है कि इस वक्त जब देश अभूतपूर्व मानव निर्मित आपदा से मर्माहत है, उसके बीच भी उसने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आयोजन जारी रखा है। जबकि खुद खिलाड़ी भी इसकी पीड़ा झेलने को मजबूर हो चुके हैं। ताजा मामला दिल्ली कैपिटल्स टीम के गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का है। उन्होंने एलान किया है कि वे इस साल के आईपीएल से हट रहे हैं, क्योंकि उनका परिवार कोविड-19 से जूझ रहा है। उन्होंने एक ट्विट में लिखा- ह्यकल से मैं इस साल के आईपीएल से ब्रेक ले रहा हूं। मेरा परिवार कोविड-19 से लड़ रहा है और इस मुश्किल वक्त में मैं उनका साथ देना चाहता हूं। अगर सब ठीक रहा है तो मैं खेलने के लिए लौटूंगा। कोविड महामारी ने निजी और सामूहिक विपत्तियों की ऐसी कथा लिखी है, जिसके बारे में पहले कल्पना भी कठिन था। ऐसे में जिसने बिल्कुल निजी पीड़ा नहीं झेली है, वह भी अपने आस-पास से मिल रही खबरों से सदमाग्रस्त है। इसके बीच क्रिकेट का तमाशा जारी रखना मानव मन पर प्रहार करने जैसी घटना है। कुछ पूर्व विदेशी खिलाड़ियों ने भी इस प्रहार को महसूस किया है। मसलन, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ऐडम गिलक्रिस्ट ने सवाल उठाया है कि जब भारत में कोरोना के डरावने आंकड़े आ रहे हैं, तब क्या आईपीएल का जारी रखना उचित है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एजे टाई ने कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते आईपीएल बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रविवार को टाई ने मुंबई से दोहा के लिए उड़ान भरी, जहां से वह ऑस्ट्रेलिया चले गए। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले टाई ने मीडिया को बताया कि कुछ और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी ऐसा ही करने पर विचार कर रहे हैं। ऐसा विचार अनेक भारतीय खिलाड़ियों के मन भी होगा। लेकिन अपने दब्बूपन के कारण वे बोलने से हिचक रहे होंगे। टाई की इस बात पर गौर किया जाना चाहिए कि खिलाड़ियों में डर है कि उन्हें लॉकडाउन के कारण ऑस्ट्रेलिया लौटने में परेशानी हो सकती है। इस वक्त सारी दुनिया क ध्यान भारत पर है। वहां भारत के लोगों के लिए प्रार्थनाएं की जा रही हैं और सहायता सामग्रियां भेजी जा रही हैं। लेकिन इसके बीच भारत की क्रिकेट कॉम्युनिटी मौज में मस्त है।

मदद शुरू, पर क्या उपयोग सही होगा?

भारत साठ के दशक में लौट गया है। तब भारत दुनिया के आगे रोटी का कटोरा लिए घूमता था। तब अमेरिका ने भारत के मानवीय संकट में पीएल-480 योजनाएं बना भारत के लिए अनाज के गोदाम खोले थे। आज भारत के लोग हवा (ऑक्सीजन) की कमी से तड़पते मर रहे हैं। इस भयावहता में अपनी चिंता छोड़ अमेरिका ने, अमेरिकी कंपनियों ने, सांसदों ने, बाइडेन सरकार ने अपने कानून-नियम बदले और भारत को ऑक्सीजन की आपात मदद, वैक्सीन के लिए कच्चा माल, पैसा-वेंटिलेटर, वैज्ञानिक बुद्धि देने का फैसला किया।

पता नहीं फोन पर राष्ट्रपति जो बाइडेन के आगे नरेंद्र मोदी कैसे गिड़गिड़ाए लेकिन भारत की मदद का दुनिया का फैसला मोदी को देखते हुए नहीं है, बल्कि भारत के श्मशानों में न बूझती चिताओं, तस्वीरों, खबरों से है। सन- 2020-21 की वैश्विक महामारी में भारत पृथ्वी का नंबर एक नरक बनेगा, इसको बतलाती श्मशानी तस्वीरें दुनिया में कंपकंपी बनाए हुए हैं। गौर करें डब्लुएचओ के प्रमुख का यह वाक्य कि भारत में हालात हृदय विदारक से भी परे हैं। मतलब शब्द ही नहीं भारत की दशा बतलाने के। दुनिया ने नहीं सोचा कि नरेंद्र मोदी, भारत सरकार, भारत का मीडिया कैसे झूठ, कैसी शेखचिल्ली बातें कर रहे हैं उन्हें इतनी भर, सुई की नोक बराबर यह सत्य दिखा है कि जब ऑक्सीजन, हवा ही नहीं तो लोग कैसे भारत में तड़प-तड़प कर मर रहे होंगे! अस्पताल, बिस्तर, दवा, वैक्सीन ये सब बाद की बात पहली जरूरत तो वायरस के हमले के आगे हवा की उपलब्धता की है। दिल्ली के गंगाराम अस्पताल के राणा ने एक वाक्य में निर्मम सच्चाई व्यक्ति की- ऑक्सीजन मानो चरणामृत और वह भी नहीं!

ऑक्सीजन नहीं तो नरक है, इस सत्य को देख दुनिया कंपकंपाई और रविवार से ले कर सोमवार के बीच अमेरिका में भारत पर जो सोचा-विचारा गया तो दिल-दिमाग में सचमुच भरोसा बना कि मानवता है। पिछले सप्ताह द न्यूयॉर्क टाइम्स, द वाशिंगटन पोस्ट, बीबीसी, सीएनएन, फ्रेंच टीवी व लंदन, कैनबरा, सिंगापुर के मीडिया ने जो छापा जो दिखाया तो दुनिया शर्मसार हुई यह सोच कर कि जो देश वैक्सीन बनाने की क्षमता लिए हुए है वह हवा, ऑक्सीजन के बिना है। अस्पतालों में लोग हवा की कमी से मर रहे हैं!

सोचें इस सब पर मोदी में क्या हिम्मत हुई होगी जो फोन पर बाइडेन के आगे रोना रोते कि आपका मीडिया भारत को ऐसे बदनाम कर रहा है। देश में जनता को चौबीस घंटे झूठ परोसते हुए मोदी सरकार में अब दुनिया से आंख मिला कर यह कहने की हिम्मत नहीं है हमें अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस आदि से नाता नहीं रखना है क्योंकि इनका मीडिया मोदी को बदनाम कर रहा है।

भारत सरकार को ईमानदारी, पारदर्शिता के साथ हर दिन वेबसाइट पर जनता-राज्य सरकारों को सूचना जारी करनी चाहिए कि एयरपोर्ट पर आज राहत-मदद का क्या-क्या सामान आया? यदि ब्रिटेन ने वेंटिलेटर भेजे हैं तो उन्हें किन राज्यों, किन अस्पतालों में भेजा जा रहा है? कितने घंटे में वह मदद पहुंच रही है? दिल्ली में ऑक्सीजन इतनी पहुंची तो उसे तुरंत दिल्ली भेजा गया या गुजरात?

पारदर्शिता और सच्चाई जरूरी है नहीं तो छह-आठ महीने बाद दिसंबर 2021 में दुनिया इस सदमे में होगी कि इतनी मदद पहुंचाई लेकिन भारत के हालात अभी भी हृदय विदारक से परे!

संक्षेप में...

करियर के 100वें पोल पोजीशन पर होगी हेमिल्टन की नजर

पोर्टिमाओ। विश्व चैम्पियन लेविस हेमिल्टन जब इस सप्ताहांत पुर्तगीज ग्रां प्री के लिए सर्किट पर

उतरेंगे तो उनकी नजर अपने करियर का 100वां पोल पोजीशन हासिल करने पर होगी। शनिवार को पुर्तगीज ग्रां प्री के लिए क्वालीफाईंग रेस है और हेमिल्टन इसके लिए पूरी तरह कमर कस चुके हैं। वह उस गलती से बचना चाहेंगे, जिसने उन्हें इमोला में पहले स्थान से वंचित कर दिया था। इटली में हेमिल्टन ने पोल पोजीशन से शुरूआत की थी लेकिन एक गलती के कारण वह नौवें स्थान पर खिसक गए थे पर उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अंततः दूसरा स्थान हासिल कर लिया था। हेमिल्टन ने अब तक 99 मौकों पर पोल पोजीशन हासिल किया है और 96 मौकों पर रेस भी जीती है। इसका मतलब यह है कि पोल पोजीशन हासिल करने के बाद हेमिल्टन सिर्फ तीन बार पहले स्थान से चूके हैं।

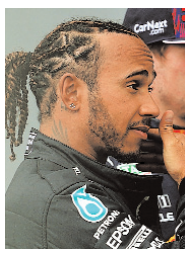

पीएसजी के साथ मेरा नया करार तय : नेमार

बर्लिन। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब के स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा है कि क्लब के साथ उनका नया करार लगभग पूरा हो गया है। डीपीए की रिपोर्ट

के अनुसार, ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार ने 2017 में बार्सिलोना क्लब को छोड़कर पीएसजी का दामन था। हालांकि बीच में ऐसी खबरें चली थी कि नेमार पीएसजी में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और वह रियल मैड्रिड के साथ जुड़ सकते हैं। पीएसजी से जुड़ने के बाद से ही नेमार अधिकतर समय तक चोटों से जूझते रहे हैं। उनका क्लब के साथ जारी करार अगले सीजन में खत्म होने वाला है। लेकिन अब नेमार ने पुष्टि की है कि नेमार में बने रहने के लिए क्लब ने उनके करार में विस्तार करने की हामी भर दी है। नेमार ने कहा, हम पीएसजी के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसमें जल्दबाजी नहीं है। लगभग सबकुछ तय हो चुका है। मुझे यह घर जैसा लगता है। मैं पेरिस सेंट जर्मन के साथ बहुत खुश हूं। नेमार के नाम लीग 1 के 14 मैचों में छह गोल और तीन असिस्ट हैं।

कोरोना के कारण मुंबई टी-20 लीग स्थगित

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने देश में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए आगामी टी20 लीग को स्थगित करने का फैसला किया है। टी20 मुंबई लीग संचालन परिषद के चेयरमैन मिलिंद नारवेकर ने कहा कि सरकारी तंत्र का कार्यभार कम करने के लिये यह फैसला किया गया है। एमसीए ने एक बयान में कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए (एमसीए) अध्यक्ष विजय पाटिल और चेयरमैन होने के नाते मैंने अगले नोटिस तक टी20 मुंबई लीग का आयोजन नहीं करने का फैसला किया। सरकारी मशीनरी पर भार कम करने का यह हमारा तरीका है और हम यह सुनिश्चित भी करना चाहते हैं हर कोई सुरक्षित रहे। मुंबई टी20 लीग का यह तीसरा संस्करण था। इससे पहले 2018 और 2019 में इस लीग का आयोजन हुआ था।

टोक्यो ओलंपिक में प्रतिदिन एथलीटों का कोरोना टेस्ट

टोक्यो। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और जापानी आयोजक टोक्यो ओलंपिक के दौरान प्रतिदिन एथलीटों का कोरोना टेस्ट करने पर सहमत हो गए हैं। यह फैसला आईओसी, टोक्यो आयोजक, जापानी सरकार और अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया है। आईओसी ने एक बयान में कहा, सिद्धांतिक रूप में, एथलीटों और एथलीटों के साथ निकटता वाले सभी लोगों का प्रतिदिन कोरोना टेस्ट किया जाएगा। टोक्यो ओलंपिक के लिए जारी प्लेबुक के अनुसार, टोक्यो ओलंपिक शुरू होने में अब 90 दिन से भी कम समय बचा है। खेलों की शुरूआत 23 जुलाई से होनी है। इन खेलों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने या बाहर खाने की अनुमति नहीं है। साथ ही सभी प्रतिभागियों को जापान जाने से पहले दो बार कोविड टेस्ट कराना होगा।आयोजकों ने मार्च में फैसला किया था कि टोक्यो ओलंपिक के दौरान विदेशी दर्शकों आयोजन स्थलों पर प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

मुंबई ने राजस्थान को 7 विकेट से हराया, डिकॉक ने 15वीं फिफ्टी लगाई

चेज करते हुए लगातार 7वां मैच जीती मुंबई

फ्फ्र के लिए सैमसन और बटलर ने अच्छी पारी खेली

फ्फ्र के लिए कप्तान संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा 27 बॉल पर 42 रन की पारी खेली। वहीं, जोस बटलर ने 32 बॉल पर 41 रन बनाए। मुंबई के लेग स्पिनर राहुल चाहर ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। उन्होंने बटलर और यशस्वी जायसवाल को पवेलियन भेजा।

■ **नई दिल्ली**

आईपीएल 2021 सीजन के 24वें मैच में मुंबई इंडियंस (टक) ने राजस्थान रॉयल्स (फ्फ्र) को 7 विकेट से हरा दिया। यह मुंबई की राजस्थान पर पिछले 7 मैच में सिर्फ दूसरी जीत है। बाकी 5 मैच में फ्फ्र ने जीत हासिल की है। मुंबई इस सीजन में पहली बार टारगेट चेज कर रही थी और मैच जीत लिया। टक टीम ने अब तक टारगेट चेज करते हुए लगातार 7 मैच जीते हैं। उन्हें आखिरी बार 2020 सीजन में फ्ळ्इ ने हराया था।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 171 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई ने 18.3 ओवर में 3 विकेट पर 172 रन बनाकर मैच जीत लिया। टक के लिए क्विंटन डिकॉक ने सबसे ज्यादा 70 रन की नाबाद पारी खेली। क्ढछ में उनकी यह 15वीं फिफ्टी रही। इस जीत के साथ टक पॉइंट टेबल में चौथे नंबर पर बरकरार है। वहीं, फ्फ्र 7वें नंबर पर है।

मॉरिस ने मुंबई इंडियंस को 2 झटके दिए

क्रिस मॉरिस ने टक को 2 झटके दिए। पहले उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा को चेतन सकारिया के हाथों कैच कराया। रोहित 17 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने डिकॉक के साथ 49 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। इसके बाद सूर्यकुमार यादव को जोस बटलर के हाथों कैच कराया। वे 10 बॉल पर 16 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद डिकॉक ने क्रुणाल पंड्या के साथ मिलकर मुंबई की पारो को संभाला। इन दोनों ने 46 बॉल पर 63 रन की पार्टनरशिप की। क्रुणाल 26 बॉल पर 39 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मुस्तफिजुर रहमान ने बोल्ड किया। इसके बाद डिकॉक और कीरोन पोलार्ड ने 11 बॉल पर 26 रन की नाबाद साझेदारी कर मैच जिता दिया।

कोलकाता को 7 विकेट से हराकर दिल्ली ने दर्ज की पांचवीं जीत

अहमदाबाद। फॉर्म में लौटे ओपनर पृथ्वी शॉ (82) की मैच जिताऊ पारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 25वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को सात विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स की सात मैचों में यह पांचवीं जीत है और

अब वह 10 अंकों के साथ तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के भी 10-10 अंक ही है, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के चलते चेन्नई टॉप पर है और बेंगलोर तीसरे नंबर पर है। वहीं, कोलकाता को सात मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है और टीम चार अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए कोलकाता को छह विकेट पर 154 रन पर रोक दिया और फिर 21 गेंद शेष रहते तीन विकेट खोकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। कोलकाता से मिले 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को शॉ और शिखर धवन (46) ने पहले विकेट के लिए 132 रनों की शतकीय साझेदारी करके टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। शॉ ने 41 गेंदों पर 11 चौके और तीन छक्के लगाए। धवन ने 47 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाया। उनके अलावा कप्तान ऋषभ पंत ने 16 और मार्कस स्टोयनिस ने नाबाद छह रन बनाए। कोलकाता की ओर से तीनों विकेट पैट कमिंस के हिस्से आया। इससे पहले, कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स के सामने जीतने के लिए 155 रनों का लक्ष्य रखा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरूआत खराब रही और टीम ने 25 रन पर ही नितिश राणा (15) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद राहुल त्रिपाठी (19) और शुभमन गिल (43) ने दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों पर 44 रन जोड़े। गिल ने 38 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद टीम ने जल्द ही कप्तान इयोन मोर्गन और सुनील नारायण का विकेट खो दिया। दोनों बल्लेबाज अपना खाता

उड़ानों पर लगे प्रतिबंध के चलते ओलंपिक क्वालीफायर विश्व रिले में भाग नहीं ले पाएंगे भारतीय एथलीट

■ **नई दिल्ली**

नीदरलैंडस की सरकार ने भारत से आने वाले उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके कारण अब भारतीय एथलीटों की टीम पोलैंड में एक और दो मई को होने वाली ओलंपिक क्वालीफाईंग विश्व एथलेटिक्स रिले में भाग नहीं ले पाएगी। भारतीय एथलीट टीम को ओलंपिक क्वालीफायर विश्व रिले में भाग लेने के लिए एम्सटर्डम रवाना होना था, लेकिन भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण रॉयल डच एयरलाइन्स (केएलएम) ने भारतीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत की महिला चार गुणा 100 मीटर और पुरुष चार गुणा 400 मीटर दौड़ रिले टीमों को एक और दो मई को पोलैंड में होने वाले विश्व रिले में भाग लेने के लिए एम्सटर्डम के रास्ते पोलैंड रवाना था। केएलएम ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) को बताया था कि भारत में बढ़ते कोरोना के मामले के कारण नीदरलैंडस की सरकार ने मुंबई से आने वाली उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है, इसलिए भारतीय एथलीट यात्रा नहीं कर सकते। एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने कहा, हम इस समय बहुत निराश हैं। भारत से पोलैंड के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। कई प्रयासों के बावजूद दूसरी उड़ान से टीम को भेजा नहीं जा सकता। पिछले 24 घंटे से हम विकल्प तलाश रहे हैं। आयोजकों, विश्व एथलेटिक्स, विभिन्न वाणिज्य दूतावासों से लगातार बात कर रहे हैं। लेकिन कहीं से कुछ नहीं हो सका। महिला टीम में हिमा दास और दुती चंद के अलावा एस धनलक्ष्मी, अर्चना सुसींद्रन, हिमाश्री रॉय और ए टी दानेश्वरी शामिल थीं। भारत को चार गुणा 400 मीटर पुरुष रिले में भी भाग लेना था।

वार्नर ने हार की जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी के कारण सबके निशाने पर हैं। वार्नर ने कहा, मैंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उसके लिए मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, यह वास्तव में धीमी पारी थी जिससे भी हमें नुकसान हुआ। वार्नर ने कहा, आज मनीष पांडे ने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह असाधारण थी। केन विलियमसन भी अपनी बल्लेबाजी से हमें एक सम्मानजनक स्कोर तक लेकर गए। विलियमसन ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्हें जब भी जिस भी क्रम पर भेजा जाये वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं। हमने 170 को जो स्कोर बनाया था उससे जीत दर्ज की जा सकती थी।

चैंपियंस लीग : मैनचेस्टर सिटी की पीएसजी पर 2-1 की बढ़त

पेरिस। मैनचेस्टर सिटी ने एक गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चैंपियंस लीग फुटबाल टूनामेंट के सेमीफाइनल के पहले लेग में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 2-1 से हरा दिया। बुधवार रात यहां खेले गए मुकाबले में कप्तान मान्होस ने 15वें मिनट में गोल करके पीएसजी को 1-0 से आगे कर दिया। लेकिन मैनचेस्टर सिटी ने दूसरे हाफ में बेहतरीन वापसी की और 64वें मिनट में कप्तान केविन डि ब्रूएन के गोल की बदौलत स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। सिटी ने इसके बाद 71वें मिनट में रियाद महारेज के फ्री किक पर किए गए गोल के दम पर 2-1 की बढ़त बना ली और फिर उसने इस बढ़त को अंत तक कायम रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। पीएसजी को इस मैच में 77वें मिनट के बाद से अपने 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा क्योंकि इद्रिसा गुएये को रेड कार्ड दिखाया गया था।

आईपीएल से दो अंपायरों ने नाम वापस लिया

मां और पत्नी के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद नितिन मेनन टूनामेंट से हटे, पॉल राइफल भी ऑस्ट्रेलिया लौटे

नईदिल्ली। देश में कोरोना की दूसरी लहर के बीच चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग से खिलाड़ियों के बाद अब अंपायरों ने भी अपना नाम वापस लेना शुरू कर दिया है। इसी के मद्देनजर भारत के नितिन मेनन और ऑस्ट्रेलिया के पॉल राइफल ने लीग से हटने का फैसला किया है। मेनन और राइफल दोनों ही क्ळ्उ के एलीट पैनल में शामिल हैं। मेनन की मां और पत्नी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं, जिसके चलते वह अपने घर इंदौर लौट गए। दूसरी ओर पॉल राइफल कुछ दिन पहले ही स्वदेश रवाना हो गए।

बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि नितिन का बच्चा अभी छोटा है। उनकी मां और पत्नी कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं। दूसरी ओर राइफल को इस बात का डर था कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार के भारतीय उड़ानों पर प्रतिबंध के चलते वह घर नहीं लौट पाएंगे। हमारे पास कई घरेलू अंपायर बैक-अप के तौर पर हैं। वे उन मैचों में अंपायरिंग करेंगे, जिनमें मेनन और राइफल उतरने वाले वाले थे।

टूनामेंट से पहले कई खिलाड़ी संक्रमित हो चुके

आईपीएल-2021 की शुरूआत से पहले ही कई खिलाड़ी कोरोना की चपेट में आ गए थे। कोलकाता नाइट राइडर्स के नीतीश राणा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के देवदत्त पडिक्कल, दिल्ली कैपिटल्स के अक्षर पटेल, एनरिच नोर्खिया और डेनियल सैम्स भी संक्रमित हो चुके हैं। देश में दिल्ली समेत 6 जगहों पर आईपीएल कराया जा रहा है। ऐसे में एक जगह से दूसरे जगह जाने के दौरान खिलाड़ियों के संक्रमित होने का खतरा बना रहता है।

आईपीएल के बाद सभी क्रिकेट संघ कर सकेंगे अपनी क्रिकेट लीग का आयोजन : बीसीसीआई

एजेंसी ■ दुबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद सभी क्रिकेट संघ अपनी-अपनी क्रिकेट लीग आयोजित कर सकेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने लीग के आयोजन को लेकर सभी राज्य क्रिकेट संघों को अनुमति दे दी है। बीसीसीआई के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हेमांग अमीन ने सभी राज्य क्रिकेट संघों से कहा है कि कोरोना महामारी के कारण बने हालातों को देखते हुए 15 दिन के कूलिंग ऑफ क्लॉज को हटा कर राज्य संघों को एक बार फिर टूनामेंट आयोजन की अनुमति दी जाती है। अमीन ने सभी राज्य संघों से कहा है कि बीसीसीआई आपको साल 2021 के लिए टूनामेंट आयोजित करने की मंजूरी देते हुए बहुत खुश है हालांकि इस संबंध में आपको बीसीसीआई द्वारा जारी की गई एडवाइजरी और दिशा-निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया जाता है। साथ ही हम यह दोहराते हैं कि महामारी की स्थिति के कारण यह एक बार प्रदान की गई अनुमति है पर यह आदर्श स्थिति नहीं है। शीर्ष परिषद के फैसले को देखते हुए यह मंजूरी दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अलावा तमिलनाडु, कर्नाटक और सौराष्ट्र ने अपनी-अपनी लीग आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

33 साल के हुए रसेल

स्ट्राइक रेट 179.67 का हैं। वहीं, वे 9.08 की इकोनॉमी रेट से 68 विकेट भी ले चुके हैं।

केकेआर के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के नाम सबसे ज्यादा 135 छक्के, दूसरे नंबर पर विकेट लेने के मामले में

■ **नई दिल्ली**

इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच खेलेगी। आज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के लिए बेहद स्पेशल है, जो अपना 33वां जन्मदिन मना रहे हैं। पिछले कई सीजन से टूनामेंट में कोलकाता को जीत दिलाने की जिम्मेदारी रसेल पर ही है। इसकी एक खास वजह भी है- उनकी ऑलराउंड परफॉर्मेंस। बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी रसेल दोनों डिपार्टमेंट में कोलकाता की रीढ़ की हड्डी हैं।

ङङफ के लिए आईपीएल में 73 मैच खेलने वाले रसेल अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 135 छक्के लगाए हैं। इसके बाद युसुफ पठान और रॉबिन उथप्पा का नंबर आता है, जिन्होंने 85-85 छक्के लगाए हैं। हालांकि दोनों अब ङङफ का हिस्सा नहीं हैं।बॉलिंग परफॉर्मेंस की बात करें, तो रसेल ने कोलकाता के लिए 67 विकेट झटके हैं। वे सुनील नरेन (130) के बाद ङङफ के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इस दौरान रसेल की इकोनॉमी भी नौ से कम 8.96 की रही है।

दिल्ली और राजस्थान का भी हिस्सा रहे

रसेल दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स से भी खेल चुके हैं। उन्होंने 2012 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था और 2014 में कोलकाता के साथ जुड़े थे। उन्होंने लीग में अब तक खेले 80 मैचों में 28.68 की औसत से 1635 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 179.67 का हैं। वहीं, वे 9.08 की इकोनॉमी रेट से 68 विकेट भी ले चुके हैं।

केकेआर के लिए इनिंग में सबसे ज्यादा 11 छक्के लगाए

आईपीएल की एक इनिंग में रसेल 11 छक्के भी लगा चुके हैं। यह पारी में कोलकाता के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी है। 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स खिलाफ उन्होंने 244.44 के स्ट्राइक रेट से 36 बॉल पर नाबाद 88 रन बनाए थे। ये लीग में उनका हाइएस्ट स्कोर भी है। इसी मैच

रसेल ने 11 छक्के लगाए थे।

19 गेंद पर लगा फिफ्टी चुके हैं

रसेल आईपीएल में 19 गेंद पर फिफ्टी लगा चुके हैं। उन्होंने यह करनामा 2015 में पंजाब किंग्स (पंजाब किंग्स इलेवन) के खिलाफ किया था। उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और 5 छक्के लगाए हैं।

पारी में 5 विकेट भी चटकाए

रसेल ने 80 मैचों की 73 पारियों में एक बार 4 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने 15 देकर 5 विकेट लिए थे। वहीं सुनील नरेन 4 से ज्यादा विकेट लेने में टॉप पर हैं। वे 6 बार ऐसा कर चुके हैं। रसेल ने क्ढछ में 426 डॉट बॉल भी फेंके हैं।

अब तक शांत है रसेल का बल्ला

सेल को आईपीएल में लंबे-लंबे छक्के लगाने के के लिए जाना जाता हैं। हालांकि, इस सीजन वह अपने बल्ले से वो कमाल नहीं दिखा पाए।k

डेथ एनिवर्सरीः टीवी के चाणक्य बनकर इरफान ने शुरू किया था एक्टिंग का सफर, 'चंद्रकांता' से मिला स्टारडम

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे मंझे हुए अभिनेता में से एक इरफान खान को गुजरे हुए आज पूरे एक साल बीत चुके हैं। फिल्म इंडस्ट्री और इरफान खान के लाखों चाहने वालों के लिए 29 अप्रैल एक दुख भरा दिन साबित हुआ। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में अपनी पहचान बना चुके इरफान के एक्टिंग सफर की शुरूआत टेलीविजन शो से हुई थी, जिसके बाद उन्होंने हर किसी को अपनी एक्टिंग का दीवाना बना दिया है। इरफान खान जयपुर के पास स्थित टोंक जिला के रहने वाले हैं। एमए पूरा करने के बाद उन्होंने 1984 में एक्टर बनने के लिए नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली में एडमिशन लिया था। इरफान एक्टिंग करियर बनाने मुंबई पहुंचे जहां उन्हें कई सारे टेलीविजन शो 'चाणक्य', 'भारत एक खोज', 'सारा जहां हमारा', 'बनेगी अपनी बात' और 'चंद्रकांता' जैसे कई शोज में काम करने का मौका मिला। टेलीविजन में करियर बनाने के दौरान मीरा नायर ने उन्हें 'सलाम बॉम्बे' में एक कैमियो रोल ऑफर किया था, मगर फिल्म से उनके सभी सीन काट दिए गए थे। इसके बाद इरफान ने साल 1990 में पंकज कपूर और शबाना आजमी स्टारर फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत' से अपना डेब्यू किया। इस फिल्म में इरफान ने एक बेबाक रिपोर्टर की भूमिका निभाई। फिल्म के साथ इरफान खान भी अनदेखे ही रह गए। कई सारी फ्लॉप फिल्मों का हिस्सा रहने के बाद इरफान को नेगेटिव किरदार मिलने लगे। साल 2004 में आई फिल्म 'हासिल' के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट विलेन का अवॉर्ड भी मिल चुका है। जिसके बाद 2007 में आई फिल्म 'लाइफ इन अ मेट्रो' से उनके करियर को ब्रेक मिला और उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बना ली।

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड में बनाई पहचान, बेस्ट विलेन का मिल चुका है अवॉर्ड

धर्मा का दामन छोड़ शाहिद कपूर ने पकड़ा नेटफ्लिक्स का हाथ

यशराज फिल्म्स और टी सीरीज जैसी गिनती की बड़ी फिल्म कंपनियों को छोड़ दें तो हिंदी मनोरंजन उद्योग में बरसों से सक्रिय रहे निमार्ताओं के लिए संकट की घड़ी सामने आ चुकी है। शाहिद कपूर जैसे अभिनेता भी धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्में छोड़ नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो से हाथ मिला रहे हैं। समय मुंबई में इतनी तेजी से बदल रहा है कि पूरी इंडस्ट्री इन दिनों इन्हीं दो ओटीटी के अधिकारियों से बातें करने में ही व्यस्त नजर आती है। कंपनी की शुद्ध आय साल 2019 में करीब 868 अरब रुपये थी जो साल 2020 में बढ़कर 1594 अरब रुपये हो गई है। ऐसे में जहां करण जौहर जैसे निमार्ता की कंपनी को भी अपनी फिल्मों के वितरण व निवेश के लिए इधर उध? भटकना पड़ रहा है। अमेजन ने दुनिया भर में बीते साल 823 अरब रुपये अपने ओटीटी के लिए कंटेंट जुटाने पर चुटकियों में खर्च कर दिए। पीछे नेटफ्लिक्स भी नहीं है। नेटफ्लिक्स ने साल 2020 में सिर्फ अपनी ऑनलाइन वीडियो सामग्री पर करीब 883 अरब रुपये खर्च किए हैं। हालांकि, ये इसके इससे बीते साल यानी 2019 में खर्च की गई राशि करीब 1040 अरब रुपये से कम है। इन दिनों दोनों ओटीटी का पूरा फोकस भारतीय दर्शकों पर है। दोनों बड़े बड़े सितारों को अपने अपने ओटीटी पर खींच रहे हैं। इस बार बाजी नेटफ्लिक्स ने मारी है जो शाहिद कपूर को लेकर एक बड़ी मल्टीसीजन सीरीज प्लान कर रही है। फिल्म कबीर सिंह के हिट होने के बाद से शाहिद कपूर की मार्केट वैल्यू कई गुना बढ़ चुकी है। शाहिद और करण जौहर के बीच पिछले साल से तमाम फिल्मों को लेकर बातें होती रही हैं, लेकिन इनमें से किसी भी फिल्म को लेकर आधिकारिक एलान अब तक नहीं हुआ है। शाहिद को धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म योद्धा शुरू करनी थी लेकिन करण की कंपनी की पहले से अटकी पड़ी आठ फिल्मों को देखते हुए शाहिद ने ऐसी कंपनी के साथ हाथ मिलाया है जहां पैसे की कोई किल्लत नहीं है।

अपनी ही कंपनी खोल बनाएंगे वेब सीरीज

'भाभीजी घर पर हैं'... शो में मोहल्ले पर छाया अनजान आत्मा का साया?

भाभीजी घर पर हैं...शो के हालिया एपिसोड में दिखाया गया है कि कि पूरा मोहल्ला किसी आत्मा की चपेट में आ गया है, जिससे हर कोई डरा सहमा है। विभूति नारायण मिश्रा की मां से लेकर मनमोहन तिवारी तक में आत्मा का प्रवेश हो चुका है, लेकिन विभूति नारायण मिश्रा को उस आत्मा से जरा भी डर नहीं लग रहा है। बल्कि उन्होंने भूतों को पकड़ने का नया काम शुरू किया है तो क्या मोहल्ले को भूत को विभूति पकड़ पाएंगे या फिर इस बार भी होगा कोई नया ड्रामा हाल के एपिसोड में दिखाया गया कि टिल्लू, टीका और मलखान विभूति के घर आते हैं जहां विभूति की मां हेलेन सोफे पर बैठी हुईं नजर आती हैं। जब तीनों उन्हें आवाज देते हैं तो उनके तेवर कुछ बदले बदले नजर आते हैं। हालांकि उन्हें माजरा समझ नहीं आता लेकिन वो इतना समझ जाते हैं कि कुछ तो गड़बड़ है और वहां से चले जाने में ही भलाई है। चाहे वो विभूति नारायण मिश्रा हो या फिर मनमोहन तिवारी। लेकिन शो के फैंस के लिए जो मजेदार बात होने वाली है वो ये कि विभूति नारायण ने शुरू कर दिया है भूतों को भगाने का नया काम। और शो का इतिहास उठाकर देख लीजिए विभूति ने जब जब नया काम शुरू किया है तब तब कुछ न कुछ तो गड़बड़ हुई ही है। ऐसे में इस बार वो कौन सा गुल खिलाएंगे और भूतों को भगा पाएंगे या नहीं, ये देखना काफी मजेदार होगा।

विभूति नारायण मिश्रा ने शुरू किया भूतों को पकड़ने का काम

'राधे' का दूसरा गाना 'दिल दे दिया' आज होगा रिलीज

सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई आखिरकार पर्दे पर आने के लिए तैयार है। ऐसे में फिल्म सीटी मार कुछ दिन पहले ही आया था जो जमकर हिट हुआ है और फैंस को सलमान और दिशा की जोड़ी जमकर पसंद आ रही है। ऐसे में अब शुक्रवार को फिल्म का दूसरा गाना दिल दे दिया आने वाला है और इसकी जानकारी खुद सलमान ने अपने सोशल मीडिया पर दी है। इस गाने के बारे में जानकारी देते हुए सलमान खान ने कैप्शन में लिखा-हमारा अगला गाना कल आउट होगा, उम्मीद है कि आप इसे भी प्यार देंगे। इस गाने को कमाल खान और इयूलिया वंतूर ने अपनी आवाज दी है और शब्बीर अहमद ने गाने के बोल लिखे हैं। बता दें कि राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई का डांस नंबर सीटी मार 26 अप्रैल को लॉन्च किया गया था जो सलमान खान-दिशा पटानी के प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरा उतरा। फिल्म की बात करें तो इसमें सलमान खान के साथ, फिल्म में दिशा पटानी, रणदीप हुड्डा और जैकी श्रॉफ भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। आपको बता दें कि सलमान खान की इस फिल्म को कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के चलते हुए लॉकडाउन की वजह से अब ओटीटी प्लेट फॉर्म जी 5 पर 13 मई को रिलीज किया जाएगा।

बर्थडे स्पेशलः माता 'सीता' बन टीवी पर छाईं दीपिका चिखलिया, घर-घर में पूजी गईं

1987 से 1988 के बीच के पॉपुलर हुए पौराणिक शो 'रामायण' के एक्टर्स में लोग रियल देवी-देवताओं की छवि देखने लगे थे। खासकर राम का रोल करने वाले अरुण गोविल और सीता का रोल करने वालीं दीपिका चिखलिया की तो लोग पूजा तक करने लगे थे। वही, दीपिका अब 56 साल की हो गई हैं। 29 अप्रैल 1965 को उनका जन्म मुंबई में हुआ था। दीपिका ने 'रामायण' में आने से पहले कई फिल्मों में काम किया था। दीपिका ने अपने करियर की शुरूआत साल 1983 में आई फिल्म 'सुन मेरी लैला' से की थी। इसके बाद वे कई फिल्मों सपॉर्टिंग किरदारों में भी दिखीं। हालांकि, उन्हें पहचान साल 1987 में मिली थी, जब रामानंद सागर ने उन्हें अपने सीरियल 'रामायण' में सीता के रोल में कास्ट किया था। इस सीरियल के बाद वह दुनियाभर में मशहूर हो गईं। वे 'भगवान दादा' (1986), 'रात के अंधेर में' (1987), 'खुदाई' (1994), 'सुन मेरी लैला' (1985), 'चीख' (1986), 'आशा ओ भालोबाशा' (बंगाली, 1989) और 'नांगल' (तमिल, 1992) में बतौर एक्ट्रेस नजर आईं। इनमें से ज्यादातर फिल्में बी-ग्रेड थीं। 2017 में दीपिका ने गुजराती सीरियल 'छुटा छेड़ा' से पर्दे पर वापसी की थी। उन्होंने डायरेक्टर मनोज गिरी की फिल्म 'गालिब' में भी काम किया है। सीता का किरदार निभाने वालीं दीपिका चिखलिया ने एक बार कपिल शर्मा के शो पर अपनी कास्टिंग का किस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'उस वक्त मैं उनके (रामानंद सागर) साथ 'विक्रम और बेताल' कर ही थी, जिसकी शूटिंग उनके बंगले पर ही होती थी। एक दिन मैंने देखा कि वहां कुछ बच्चे उछल-कूद कर रहे हैं। मुझे लगा कि घर की किसी भाभी ने बच्चों को पढ़ाने के लिए बुलाया होगा, लेकिन फिर मुझे पता चला कि वहां 'रामायण' की शूटिंग के लिए 'लव-कुश' के ऑडिशन चल रहे हैं। दीपिका ने भीखूभाई के बेटे हेमंत टोपीवाला से 1991 में शादी की थी, जो श्रृंगार बिंदी और टिप एंड टोस कॉस्मेटिक्स के मालिक हैं। दोनों की मुलाकात एक एड फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई थी। दीपिका और हेमंत की दो बेटियां हैं निधि टोपीवाला और जूही टोपीवाला।

56 साल की हुई दीपिका चिखलिया, फिल्मों से की थी करियर की शुरूआत

'RRR' की रिलीज डेट 2022 तक के लिए होगी पोस्टपोन

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के पॉपुलर डायरेक्टर एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'आरआरआर' की रिलीज डेट अगले साल 2022 तक के लिए पोस्टपोन की जा सकती है। 2021 की शुरूआत को देखते हुए सभी निमार्ता- निर्देशकों को उम्मीद थी कि फिल्मों की शूटिंग बिना रूकावट पूरी की जा सकेगी और इस साल फिल्में रिलीज करना भी संभव होगा। लेकिन कोरोना की नई लहर ने सारी योजनाओं फेल कर दिया। ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो एसएस राजामौली की फिल्म अब 2022 तक के लिए आगे बढ़ सकती है क्योंकि फिल्म की अभी भी काफी शूटिंग बाकी है। आरआरआर को 2021 की सबसे बड़ी फिल्मों में माना जा रहा है। अजय देवगन, रामचरन, जूनियर एनटीआर और आलिया भट्ट स्टारर यह फिल्म 13 अक्टूबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन अब इसके टलने की अफवाहें आ रही हैं। एक रिपोर्ट की मानें तो फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने साफ कहा है कि इस साल फिल्म का आना असंभव है। रामचरन और जूनियर एनटीआर के हिस्से की काफी शूटिंग अभी बची है। दोनों सितारे अब तक अन्य फिल्मों में व्यस्त थे और प्लानिंग थी कि जुलाई तक आरआरआर की शूटिंग खत्म कर ली जाएगी। लेकिन कोरोना की वजह से लॉकडाउन लगा दिया है और अब शूटिंग संभव नहीं है। कंगना रनौत ने शाहरुख खान के करियर से की खुद की तुलना 2022 में आएगी फिल्म सूत्र के अनुसार, फिल्म अब 2022 मकर संक्राति पर रिलीज हो सकती है। या उससे भी आगे बढ़ सकती है। लेकिन इस साल फिल्म का रिलीज होना लगभग असंभव है।

संक्षेप में...

लालू प्रसाद की रिहाई का रास्ता साफ, कोर्ट में भरा बेल बॉन्ड

पटना। बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने चारा घोटाले में सजायफाता व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बड़ी राहत दी है। कौंसिल ने कहा है कि जमानत मिलने के बाद भी किसी को जेल में रखना उसके अधिकारों का हनन है। कौंसिल के इस आदेश के बाद गुरुवार को लालू यादव का बेल बॉन्ड भरा गया है। इसके बाद सीबीआई कोर्ट ने लालू का रिलीज आर्डर जारी कर दिया है। लालू के बेलर के तौर पर निशिकांत और राजू गोप हुए कोर्ट में उपस्थित रहें।वो फिलहाल बिरसा मुंडा जेल के कस्टडी में एम्स में इलाजरत हैं। लालू यादव को 17 अप्रैल को जमानत मिली थी। कौंसिल के इस फैसले का लालू समेत उन सभी लोगों को राहत मिलेगी जो जमानत मिलने के बाद भी बेल बॉन्ड भरने जैसे आदलती कार्यों के कारण बाहर नहीं आ पा रहे थे। बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने कहा है कि कई राज्यों के बार कौंसिल कोरोना संक्रमण को देखते हुए वकीलों को अदालती प्रक्रिया में शामिल नहीं होने का आदेश जारी किया है। ऐसे में वैसे लोगों को परेशानी हो रही है जिन्हें जमानत मिल गई है और बेल बांड, मुचलका और अन्य कागजी प्रक्रिया पूरी नहीं हो रही है। इस कारण वह जमानत मिलने के बावजूद जेल में ही है। बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने कहा है कि जमानत मिलने के बाद भी किसी का जेल में रखना उसके अधिकारों का हनन है।

पटरी के किनारे नाबालिग का शव बरामद, दुष्कर्म की आशंका

बिहारशरीफ। बिहार के नालंदा जिले के करायपरसुराय थाना क्षेत्र से बुधवार की रात से लापता एक 8 वर्षीय नाबालिग लड़की का शव गुरुवार को रेलवे पटरी के समीप से अर्धनग्न अवस्था में बरामद किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने पहले लड़की को अगवा किया और उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर शव को फेंक दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि नाबालिग लड़की बुधवार की रात अपने घर से शौच के लिए निकली थी, उसके बाद वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने रात को लड़की की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका पता नहीं चला। गुरुवार को लड़की का शव फतुहा इस्लामपुर रेल लाइन पर पेट्रोल पम्प के समीप से बरामद किया गया। इधर, शव बरामद होने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर फतुहा-हिलसा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद लोग सड़क से हटे। प्रथम दृष्यता दुष्कर्म के बाद हत्या की बात सामने आ रही है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है तथा अपराधियों की गिरफ्तारी के छापेमारी की जा रही है।

2 मई को पंचायत चुनाव परिणाम के चलते लिया फैसला

यूपी में बढ़ा वीकेंड लॉकडाउन

शुक्रवार रात से मंगलवार सुबह 7 बजे तक रहेगी पाबंदी

■ लखनऊ/पटना

कोरोना महामारी के प्रसार पर लगाम लगाने के लिए उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब हफ्ते में तीन दिन बंदी रहेगी। शुक्रवार की रात 8 बजे से मंगलवार सुबह 7 बजे तक बेवजह लोगों को घरों से निकलने पर रोक रहेगी। अभी तक प्रदेश में 20 अप्रैल से सिर्फ शनिवार और रविवार को बंदी रहती थी। इमरजेंसी सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। सरकारी सूत्रों का कहना है कि लॉकडाउन का दायरा 2 मई को आने पंचायत चुनाव के परिणाम को देखते हुए बढ़ाया गया है। आने वाले समय में इस फैसले को वापस भी लिया जा सकता है। दरअसल, बीते मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश में कोरोना की स्थिति पर सुनवाई करते हुए दो दिनों के लॉकडाउन को नाकाफी बताते हुए कहा था कि सरकार ने अपने विवेक के अनुसार संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए दो दिन का लॉकडाउन लगाया है साथ ही अन्य पाबंदियां भी लागू की हैं पर संक्रमण के नए मामलों को देखते हुए यह निरर्थक ही लग रहा है। ये उपाय नाकाफी प्रतीत होते हैं। लॉकडाउन को मंगलवार सुबह तक बढ़ाने के पीछे हाईकोर्ट की इस टिप्पणी को भी एक वजह माना जा रहा है।

कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका

2 मई को उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर मतगणना है। सरकार को आशंका है कि चुनाव परिणाम के बाद उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर कोई बड़ी घटना या माहौल बिगड़ सकता है। 2 मई के बाद प्रधान चुनाव के रिजल्ट के बाद जश्न मनाए जाने को लेकर कोई बड़ी घटना हो सकती है।

यूपी में बीते 24 घंटे में 35156 मामले, 258 लोगों की मौत

पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश में कोरोना के 35,156 नए मामले सामने आए हैं। 25,613 लोग डिस्चार्ज हुए। प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या 3,09,237 है। पिछले 24 घंटे में 258 लोगों की मृत्यु हुई है। कल प्रदेश में 2,25,312 सैंपल की जांच की गई। उत्तर प्रदेश अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में अब तक 1,00,41,134 लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है। इसमें से 21,56,203 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगी है। निजी अस्पताल और नर्सिंग होम में रजिस्ट्रेशन को 31 जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया है। मंगलवार को सरकार ने जो रिपोर्ट जारी की थी उसमें दिखा कि डिस्चार्ज मरीजों की संख्या संक्रमितों की संख्या से कुछ पीछे है। बुधवार को जारी रिपोर्ट में और सुधार देखने को मिला है।

बिहार में हर घंटे कोरोना ले रहा 3 जानें

कोरोना ने मौत का खतरा बढ़ा दिया है। हर दिन आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में 84 लोगों की जान चली गई है। हर घंटे 3 लोगों को कोरोना ने अपना शिकार बनाया है। संक्रमण के मामलों में भी गिरावट नहीं हो रही है। 24 घंटे में बिहार में 13374 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बढ़ते मामलों के कारण रिकवरी रेट भी तेजी से नीचे आ रहा है। अब बिहार का रिकवरी रेट 77 प्रतिशत पहुंच गया है। बुधवार को 103895 लोगों की जांच कराई गई है। बिहार में अब तक कोरोना से कुल 2391 लोगों की जान जा चुकी है। प्रदेश में अब तक कुल 441375 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इसमें 340236 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। इसके बाद भी एक्टिव मामलों की संख्या प्रदेश में 98747 हो गई है। यह आंकड़ा तब हुआ है जब बुधवार को एक दिन में 13374 नए मामले आए हैं। बिहार में 24 घंटे में कुल 13374 नए मामले आए हैं इसमें पटना में सबसे अधिक 2207 नए मामले आए हैं।

पोस्टमोर्टम के लिए गिड़गिड़ाता रहा पिता, रुपए देने पर ही हुआ काम

भागलपुर। भागलपुर के मायागंज अस्पताल में फिर कुव्यवस्था की पोल खुली है। एक पिता को अपने बेटे की लाश का पोस्टमार्टम कराने के लिए अस्पताल कर्मी 1 हजार रुपए घूस देने पड़े। भागलपुर के मायागंज अस्पताल में पोस्टमोर्टम करने वाले कर्मी के द्वारा अवैध रूप से पैसे मांगने का परिजनों ने वीडियो भी बनाया है, लेकिन अभी तक किसी पर कोई कार्रवई नहीं हुई है। चार दिन पहले खगड़िया के शिवम नाम का एक युवक सड़क हादसे में बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने शिवम को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों की मानें तो मायागंज अस्पताल में डॉक्टरों ने सीटी स्कैन कराने को कहा, लेकिन मायागंज में कोविड को लेकर सीटी स्कैन नहीं हो पा रहा था। इस बात से परेशान होकर परिजन ने अंत में परवत्ता के जेडीयू विधायक डॉ संजीव कुमार को फोन से इन लापरवाही की शिकायत करते हुए उनसे मदद की गुहार लगाई। अस्पताल की लापरवाही को सुनकर डॉ संजीव कुमार ने डॉक्टरों से बात कर समुचित इलाज करने की बात कही और लापरवाही करने पर सस्पेंड कराने की धमकी भी दी, लेकिन अंत में शिवम की मौत हो गई।

दो प्रधान प्रत्याशियों समेत तीन पर केस दर्ज, दो गिरफ्तार

शराब की दुकान सील, सैंपल भेजे गए

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में जहरीली शराब से 10 मौतों के बाद जिला प्रशासन अपनी नींद से जाग गया है। पुलिस ने दो प्रधान प्रत्याशियों समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। दोनों प्रत्याशियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस दुकान को भी सील किया गया है, जहां से शराब खरीदी गई थी।

यह पूरा मामला थाना इंचौली क्षेत्र के सधारणपुर गांव का है। जिले में 26 अप्रैल को वोटिंग थी। आरोप है कि इससे पहले यहां प्रधान प्रत्याशियों ने मतदाताओं को रिझाने के लिए शराब बंटवाई। जिसे पीने के बाद 25 अप्रैल की रात लोगों की हालत बिगड़ी। दो ग्रामीणों ने घर में ही दम तोड़ दिया। जबकि कुछ अस्पताल पहुंच पाए। लेकिन इलाज के बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। एक-एक कर गांव में 10 लोगों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शवों का अंतिम संस्कार कर दिया। सूचना मिलने पर 26 अप्रैल को पुलिस जब गांव में पहुंची तब दो शवों के पंचनामा भरे। लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया था।

इसके बाद से सधारणपुर गांव की गलियों में मातम पसरा हुआ है। शराब पीने से हुई मौत की इस घटना में जहां आठ महिलाओं के सुहाग उजड़े तो वहीं 15 बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो प्रधान प्रत्याशियों समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दुकान सील, सैंपल जुटाए गए

एसपी देहात केशव कुमार ने बताया कि प्रधान प्रत्याशी संजय और महाराज को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने कुछ शराब की बोतलें बरामद की हैं, उन्हें भी कब्जे में ले लिया गया है, क्यूआर कोड के माध्यम ये पता करने पर जिस दुकान की ये शराब मिली, उसको भी फिलहाल सील किया गया है। वहां से कुछ सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

सोनभद्र में फर्जी वोटिंग को लेकर विरोध, पुलिस ने भांजीं लाठियां

त्रिस्तरीय पंचायत चुनावः मथुरा में प्रत्याशी की मौत

■ लखनऊ

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के चौथे और अंतिम चरण के चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग और पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद रही। इस फेज में कुल 19035 मतदान केंद्र और 48554 मतदेय स्थल बनाए गए थे। कुल 2 करोड़ 98 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग इस चरण में किया।

सोनभद्र में बभनी विकास खंड के घघरा ग्राम पंचायत में फर्जी वोटिंग को लेकर ग्रामीणों ने विरोध किया। इस पर पुलिस ने विरोध करने वालों पर लाठी भांजी। गांव में लोगों के घरों के दरवाजे तक तोड़ दिए। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे बाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। मथुरा जिले के फरह के गांव गजोली के प्रधान प्रत्याशी रणधीर सिंह की कोरोना से मौत हो गई है। इसके चलते प्रधान पद के लिए हो रहा मतदान रोक दिया गया है।

अलीगढ़ में फर्जी मतदान के दौरान बवाल

अलीगढ़ गांव आलमपुर में मतदान के दौरान हंगामा हुआ। ग्रामीणों ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाते हुए सेक्टर मजिस्ट्रेट की गाड़ी पर पथराव किया और तोड़े शीशे। पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां फटकार कर दौड़ाया, भगदड़ के दौरान कई लोग हुए चोटिल हो गए और एक महिला की तबीयत बिगड़ गई। यह मामला थाना विजयगढ़ इलाके के ग्राम आलमपुर का है। मौके पर भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे आला अधिकारी फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे।

लोगों ने मतपेटी में डाला पानी, किया हंगामा

सीतापुर के कोतवाली तालगांव इलाके के ब्लॉक परसेंडी क्षेत्र के समैसा पंचायत में वार्ड संख्या-9 में मतदान सूची में मतदाताओं के नाम कम व बाहर सूची में नाम पूरे होने पर हंगामा खड़ा हो गया। गुस्साए मतदाताओं ने मतपेटियों में पानी डालकर जमकर नारेबाजी की। सूचना पाकर जोनल मजिस्ट्रेट, एसडीएम, सीओ समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया है। अफसरों ने लोगों को शांत कराया है।

मथुरा के बरसाना में चलीं गोलियां

मथुरा के थाना बरसाना की ग्राम पंचायत राकोली के गांव नहारा में मतदान के दौरान गोलियां चल गईं। सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ एसडीएम गोवर्धन राहुल यादव मौके पर पहुंच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सियाराम व मलखान पक्ष में गोलियां चली हैं।

पैर फिसल कर गिरने से चीफ फायर ऑफिसर हुए घायल

शॉर्ट सर्किट से गोदाम में लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

वाराणसी। मंडुवाडीह क्षेत्र के चाँदपुर इंडस्ट्रियल इस्टेट में गुरुवार को कपड़ा, खाद्य और सौंदर्य सम्बंधित सामानों के गोदाम में भीषण आग लग गयी। आस पास के लोगो ने 112 नबंर और फायर ब्रिगेड को सुचना दिया। मौके पर पहुँची मंडुवाडीह पुलिस और फायर ब्रिगेड कर्मियों को गोदाम का दीवार जेसीबी मशीन से तोडना पड़ा। चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वही चीफ फायर ऑफिसर अनिमेष सिंह घायल हो गए।

पटना निवासी सुजीत कुमार सिंह आरसीएम कंपनी का गोदाम है। कर्मचारी राजेश जायसवाल ने बताया की गोदाम के इंचार्ज राम इकबाल सिंह कोविड पॉजिटिव हैं और होम आइसोलेशन में हैं।

गोदाम में ताला बंद था। पड़ोसी सूरज विश्वकर्मा ने आग देख कर राजेश मुझको सूचित किया और पड़ोसियों ने पुलिस को फोन कर दिया था।

गोदाम में पैंट व शर्ट के कपड़े के साथ ही खाद्य और सौंदर्य से जुड़े सामान रखे थे। हेयर ऑयल के साथ खाने वाला तेल भी रखा था। जो जल कर खाक हो गए। आग बुझाते समय चीफ फायर ऑफिसर अनिमेष सिंह का पैर तेल में पड़ने से वो फिसल कर गिर गए। उनको हाथ में हल्की से चोट भी आयी हैं। उन्होंने बताया कि धुए की वजह से बहुत परेशानी हो रही थी। आग लगने के पीछे की वजह शार्ट सर्किट बताया जा रहा हैं। नुकसान लाखों में हुआ हैं।

घर में आग, 3 की मौत, 3 घायल

पीलीभीत। बीसलपुर पुलिस सर्किल के किशनी गांव में कुछ लोगों ने कथित चौर पर चुनावी रंजिश के चलते एक घर में आग लगी दी जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृतक, नन्हे लाल, 35 साल का एक मामूली किसान था। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता पर ग्राम प्रधान पद के उम्मीदवार द्वारा बुधवार को उनके घर में तड़के आग लगा दी गई।

परिवार ने आरोप लगाया कि 26 अप्रैल को हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों के दौरान उन्हें वोट देने से इनकार करने पर एक ग्राम प्रधान प्रतियोगी ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। परिवार तब सो रहा था जब आरोपियों ने उनके घर में आग लगा दी।

पीड़ित के छोटे भाई नरेश ने कहा, जब हम सोकर उठे, तो उस आग को बुझाने का समय नहीं था, जिससे सब कुछ जलकर राख हो गया। मेरे भाई की भी मौत हो गई। हमें यकीन है कि बांकेलाल और उनके आदमियों ने ही आग लगाई है क्योंकि हमने उन्हें वोट नहीं दिया।

राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण करने वाले बिदलपुर सर्कल अधिकारी प्रशांत सिंह ने कहा, परिवार को अंतरिम मुआवजा दिया गया है। शव परीक्षण के लिए भेजा गया था और घायलों को उचित उपचार दिया गया। हम अभी तक नुकसान का आकलन नहीं कर पाए हैं। यह एक आकस्मिक आग लगने का मामला लगता है। हमें अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। हम मामले की जांच कर रहे हैं।

बिहार में डॉक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ की होगी बहाली

■ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई आपदा प्रबंधन समूह की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए विकास आयुक्त आमिर सुबहानी ने बताया कि तीन लाख कोरोना के सक्रिय मरीजों का ही अनुमान कर राज्य में डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ, नर्स, लैब टेक्नीशियन व अन्य कर्मियों की एक वर्ष के लिए बहाली संविदा पर की जाएगी। इन्हें एक वर्ष के अनुभव का प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। डॉक्टरों में एलोपैथिक, आयुष व डेंटल डॉक्टरों को भी शामिल किया जाएगा। डेंटल डॉक्टरों को भी सामान्य चिकित्सा की जानकारी दी जाती है।

डॉक्टरों की सुरक्षा की होगी व्यवस्थाः विकास आयुक्त आमिर सुबहानी ने कहा कि अस्पतालों में कोरोना मरीजों के इलाज में लगे डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए डीएम के स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। महामारी को रोकने के लिए सरकार द्वारा जारी आदेश का अक्षरशः पालन होगा। जो कोई भी सरकार के इस आदेश का उल्लंघन करेगा, उनके खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। आपदा प्रबंधन समूह के सभी निर्णय का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। आदेश का पालन नहीं करने वालों या बिना ठोस कारण घर से बाहर निकलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना से बचाव के लिए माइकिंग से प्रचार किया जाएगा। इस दौरान आमलोगों को उस क्षेत्र में कोरोना संक्रमितों की संख्या की भी बताई जाएगी। लोगों को बताया जाएगा कि वे कोरोना से बचाव करें और उस इलाके में इतने व्यक्ति संक्रमित हो चुके हैं।

लापरवाही

परिजनों ने किया हंगामा, अस्पताल पर ऑक्सीजन उपलब्ध न कराने का आरोप

अस्पताल में 17 मरीजों की मौत का दावा, अफसरों ने सिर्फ 6 मौतें कबूलीं

■ मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद के एक अस्पताल में ऑक्सीजन की सप्लाई रुकने से 17 कोरोना मरीजों की मौत होने का दावा किया जा रहा है। मामला मझोला थाना इलाके के ब्राइट स्टार हॉस्पिटल का है। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारियों ने सिर्फ 6 मरीजों की मौत की बात कही है। लेकिन एक मरीज के परिजन ने का दावा है कि मौत का आंकड़ा कहीं ज्यादा है। यह दावा करने वाले रजत शर्मा का कहना है कि अस्पताल में 17 लोगों की मौत हुई है। इसका सबूत यह है कि मारे गए लोगों के परिजन ने अपने नाम नोट करवाए हैं और उस कागज पर साइन भी किए हैं। रजत शर्मा इसरो में वैज्ञानिक है। अस्पताल में उनके पिता की भी मौत हुई है। रजत ने बताया कि उनके पिता 20 अप्रैल से अस्पताल में भर्ती थे। डॉक्टर ने बुधवार को रजत से कहा था कि उनके पिता की तबीयत ठीक है और दो तीन दिन बाद डिस्चार्ज हो जाएंगे। लेकिन गुरुवार सुबह जब अस्पताल पहुंचे तो जानकारी मिली कि पिता की मौत हो गयी है। अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि सुबह ऑक्सीजन सप्लाई में रुकावट की वजह से पिता की मौत हो गई।

रजत ने अस्पताल के बाहर हंगामे का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया है। इस वीडियो में 15 से 20 लोगों की मौत की बात कही जा रही है। परिजन के हंगामे की खबर मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एडीएम सदर प्रशांत तिवारी का कहना है कि ऑक्सीजन का एक कैप्सूल हॉस्पिटल में मौजूद है। किस फॉल्ट के चलते यहां हादसा हुआ, इसकी जांच सीएमओ की टीम कर रही है।

पूर्व मंत्री हाजी रियाज और आईएएस दीपक त्रिवेदी की संक्रमण से मौत

लखनऊ/बरेली। उत्तर प्रदेश में पूर्व मंत्री और पीलीभीत शहर विधानसभा से 5 बार के विधायक रहे हाजी रियाज का कोरोना संक्रमण के चलते निधन हो गया।

गुरुवार सुबह 3 बजे शुरू हुआ मौत का सिलसिला

ब्राइट स्टार हॉस्पिटल में कोरोना संक्रमित गंभीर मरीजों का इलाज चल रहा है। गुरुवार सुबह 3 बजे अचानक अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई बाधित हो गई। इसके बाद एक-एक कर मरीजों की मौत का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह जब परिजन अस्पताल पहुंचे तो उन्हें अपने मरीजों की मौत की सूचना मिली। परिवार वालों का आरोप है अचानक हॉस्पिटल में ऑक्सीजन की सप्लाई चलते मरीजों की मौत हो गई है।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के अध्यक्ष सीनियर आईएएस दीपक त्रिवेदी की संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट में मौत हुई। वे 1985 बैच के आईएएस थे। वे आईएएस एसोसिएशन के भी अध्यक्ष थे। वे शुक्रवार को रिटायर होने वाले थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईएएस दीपक के निधन पर शोक जताया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव अनूप चंद्र पांडे ने दीपक त्रिवेदी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि दीपक त्रिवेदी अध्यक्ष राजस्व परिषद 1985 बैच यूपी कैडर के असामयिक निधन का समाचार सुन कर बहुत मन को बहुत कष्ट है। वो बहुत सरल व्यक्तित्व का नेक दिल इंसान रहे। वहीं, पूर्व कैबिनेट मंत्री और पीलीभीत शहर विधानसभा से विधायक रहे हाजी रियाज अहमद की मौत से सपा कार्यकताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। पूर्व मंत्री 24 अप्रैल को कोरोना संक्रमित हुए थे। बरेली के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।

प्लाज़्मा को लेकर बढ़ रही मांग के चलते प्रशासन का बड़ा क़दम

संक्रमित व्यक्ति के शीघ्र स्वास्थ्य के लिए प्लाज्मा की अहम भूमिका, डोनर आगे आएं- जिलाधिकारी

जिला स्तर पर विकास भवन में स्थापित किया प्लाज़्मा डोनेशन कंट्रोल रूम

कोविड से ठीक हो चुके मरीजों से संपर्क करके प्लाज़्मा डोनेशन को बढ़ावा देगा प्रशासन

मेडिकल कॉलेज में बेड और वेंटिलेटर की जानकारी के लिए स्थापित किया अलग से कंट्रोल रूम

फोन पर खाली बेड और वेंटिलेटर की उपलब्धता की मिलेगी जानकारी

■ झांसी।

मतगणना में प्रत्येक पाली शुरू होने से पूर्व सेनेटाइजेसन कराएं - सीडीओ

उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय)/ मुख्य विकास अधिकारी श्री शैलेष कुमार ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा दिये गए निर्देशानुसार जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन- 2021 प्रक्रिया चल रही है, जिसके अंतर्गत मतगणना की कार्यवाही दिनाँक 02 मई 2021 को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ करायी जायेगी। आयोग के निर्देशानुसार समस्त निर्धारित मतगणना केन्द्रों पर सेनेटाइजेसन कराया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उक्त सेनेटाइजेसन प्रथम पाली में कामिकों के मतगणना स्थल पर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कराया जाएगा, इसी प्रकार जब जब मतगणना कार्मिक अगली पाली में मतगणना प्रारम्भ करें, उससे पूर्व मतगणना केंद्र का सेनेटाइजेसन कराये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस कार्य के लिए प्रति विकास खंड रु 10 हजार तक व्यय किये जाने का मानक निर्धारित किया गया है। उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गए उक्त निर्देशों का अनुपालन

कोविड संक्रमण के बढ़ने के साथ ही इससे प्रभावित गंभीर मरीजों के लिए प्लाज़्मा डोनेशन की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस कठिन समय में कुछ लोग आगे आकर प्लाज़्मा डोनेट भी कर रहे है। ऐसे में प्रशासन स्तर से भी पहल करते हुये एक प्लाज़्मा डोनेशन कंट्रोल रूम बनाया है, जिससे कि लोगों को समय पर मदद मिल सके। इसी के साथ मेडिकल कॉलेज में मरीज की भर्ती और बेड/वेंटिलेटर की उपलब्धता जानने के लिए भी अलग से कंट्रोल रूम बनाया गया है।

जिलाधिकारी श्री आन्द्रा वामसी ने बताया कि इस समय कोविड संक्रमित मरीजों को उचित उपचार दिलाना प्रशासन की प्रमुखता है। उन्हें जल्दी ठीक होने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ प्लाज़्मा की आवश्यकता भी पड़ रही है, ऐसे में विकास भवन में एक अलग से कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिसमें टीम उन लोगों से संपर्क करेंगी जो हाल ही में कोविड से ठीक हुये होंगे। और उन्हे प्लाज़्मा दान करने के बारें में पूछेगी, इच्छित लोगों की सूची बनाकर संबन्धित अधिकारी को दी जाएगी। मेडिकल कॉलेज को भी इसके निर्देश दिये जा चुके है साथ ही यहाँ भी एक कंट्रोल रूम बनाया गया है जो प्लाज़्मा आपूर्ति के ऊपर ध्यान रखेगा।

उन्होने बताया कि मेडिकल कॉलेज में बेड और वेंटिलेटर की उपलब्धता के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां 24 घंटे रोटेशनल में डॉक्टर की ड्यूटी लगाई जाएंगी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि संबन्धित आदेश को तत्काल प्रभाव में लाया जाए, साथ ही कोविड से संबन्धित जो भी सूचना जनसामान्य द्वारा ज्ञात करने पर उसका तत्परता के साथ पूरी गंभीरता से जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि संबन्धित नंबर किसी भी हालत में बंद नहीं होने चाहिए।यहाँ कर सकते है संपर्क:-

ड्ड प्लाज़्मा डोनेशन हेल्पलाइन नंबर- 9695659955।

संबन्धित टीम के सदस्य नोडल अधिकारी प्रो॰ मयंक कुमार सिंह झ 9415394764, इंचार्ज डॉ॰ मुरारी लाल आर्य- 9415509196, डॉ॰ पल्लवी अग्रवाल- 9936929094, डॉ॰ सुमित नारायण- 9453037999, डॉ॰ आशीष कुमार- 9451018301. ।

ड्ड मरीजों की भती और बेड की उपलब्धता के लिए हेल्पलाइन नंबर- 8953954445 / 0510-2980944. ।

संबन्धित टीम के प्रभारी डॉ॰ जितेंद्र यादव- 9839822667 है।यहाँ लगाए जाने वाले डॉक्टर की ड्यूटी इसप्रकार है- प्रातः 8 से सांय 4 बजे तक डॉ॰ रजत मिसूरिया- 9621176777, सांय 4 बजे से मध्य रात्रि 12 बजे तक डॉ॰ विकास गोयल- 9235696058, मध्य रात्रि 12 बजे से प्रातः 8 बजे तक डॉ॰ अभिजीत कुलश्रेष्ठ- 9936488447। डॉ॰ विनय- 9939488447 के द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। जिलाधिकारी श्री आंद्रा वामसी ने दिए गए निर्देशों के क्रम में कहा कि समस्त अधिकारी जिन्हें उक्त दायित्व दिए गए हैं, उनका अक्षरसः अनुपालन सुनिश्चित हो, शिथिलता व लापरवाही पर कायर्वाही सुनिश्चित की जाएगी।

पूर्व कैबिनेट मंत्री व वतर्मान विधायक हर्ष यादव ने देवरी विधानसभा मैं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को विधायक निधी से दिए 80 लाख रुपये

50 लाख की राशी से बनेगा अब केसली एवं देवरी में ऑक्सीजन प्लांट **केसली** पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वतर्मान विधायक हर्ष यादव जो जनता के बीच एक लोकप्रिय चेहरा बन चुके हैं अपनी पूरी क्षमता के साथ जो विधानसभा के लिए समर्पित रहे हैं और एक बार फिर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह देवरी विधानसभा के लोगों के साथ सुख दुख में हमेशा साथ खड़े रहेंगे विधायक हर्ष यादव द्वारा अपनी विधायक निधि से ?80 लाख की राशि देवरी विधानसभा क्षेत्र में कोरोनावायरस की महामारी से लड़ने के लिए योजना एवं सांख्यिकी विभाग को पत्र लिखकर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने की बात कही है जानकारी के अनुसार देवरी केसली क्षेत्र में 25-25 लाख रुपए ऑक्सीजन प्लांट स्थापित 30 लाख रूपए की राशि इंजेक्शन उपकरण एवं अन्य आवश्यक सामग्री हेतु प्रदान की गई है।

परमार्थ समाज सेवी संस्थान के तत्वाधान में चलाया कोरोना जागरुकता अभियान

हमीरपुर :- सरीला क्षेत्र के ग्राम पंचायत लोधीपुरा में परमार्थ समाज सेवी संस्थान के तत्वाधान में कोरोना जागरुकता अभियान चलाया गया।बता दें कि सरीला क्षेत्र के लोधीपुरा गाँव में परमार्थ समाज सेवी संस्थान के तत्वाधान में चलाये गये कोरोना जागरुकता अभियान 2021 के माध्यम से लोगों को चौपाल तथा घर घर जाकर के मनमोहन सिंह और रत्नेश राजपूत के द्वारा कोरोना से बचाव हेतु उपाय बताए गए और वैक्सीन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए गलत अफवाहो के संदेह को दूर करते हुए महिलाओं और पुरूषों को जागरुक किया गया। इस मौके पर सोशल डिस्टैंस का पालन करते हुए ग्रामीण लोग शामिल रहे।

न्यायिक कर्मियों के लिए हेल्पलाइन नम्बर हुआ जारी

सिविल जज सीनियर डिवीजन ने लगवाया पहला टीका

ललितपुर। उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा निर्गत निर्देशानुसार एवं प्रभारी जनपद न्यायाधीश चंद्रमोहन श्रीवास्तव के नेतृत्व में उनके द्वारा पारित आदेश के अनुक्रम में वैश्विक महामारी कोविड-19 के बढ़ते हुए मामलों को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन से डा.सुनील कुमार सिंह नोडल अधिकारी कोविड-19 एवं सौरभ मंडलोई सहायक नोडल अधिकारी द्वारा प्रशासन से समन्वय स्थापित किया। जिसके तहत जनपद न्यायालय के अधिकारीगण कमर्चारीगण एवं उनके पारिवारिक सदस्यों की सहायता शुरू की गई। जनपद न्यायालय में वृहद टीकाकरण एवं टेस्टिंग अभियान प्रारंभ हो चुका है। कार्यक्रम में सबसे पहले डा.सुनील कुमार सिंह सिविल जज सीनियर डिविजन ने भारत में बना हुआ कोवैक्सीन का पहला डोज स्वयं को लगवाया। इसी क्रम में वादकारियों एवं अधिवक्ताओं द्वारा न्यायालय संचालन से संबंधित सहायता हेतु दूरभाष संख्या 05176-275694 एवं 297281 पर संपर्क करने हेतु हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए। डा.सुनील कुमार सिंह द्वारा इस समय प्रभारी अधिकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललितपुर का कार्य भी देखा जा रहा है जिस संदर्भ में उन्होंने अपना मोबाइल नंबर 993596398 भी जारी किया। उन्होंने बताया कि अगर किसी भी कमर्चारी अधिकारी या उनके परिवार के किसी सदस्य को कोविड-19 से संबंधित कोई जानकारी लेनी हो या सहायता लेनी हो तो वह सदैव उपलब्ध रहेंगे। टीकाकरण अभियान इस समय वृहद रूप से जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार सीएमओ डा.धनेश कुमार गर्ग, क्षय रोग अधिकारी डा.जे.एस.बक्शी, पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के संयुक्त संयोजन से चलाया जा रहा है। बताते चलें कि जनपद न्यायालय ललितपुर में इस समय केवल दो ही न्यायिक अधिकारी कार्य कर रहे हैं जनपद न्यायाधीश एवं सत्र न्यायालय के समस्त कार्य चंद्रमोहन श्रीवास्तव एडीजे द्वारा संपादित किया जाएगा एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अन्य मजिस्ट्रेटों के रिमांड जमानत आदि कार्य डा.सुनील कुमार सिंह द्वारा ही संपादित किए जाएंगे।

चिकित्सकों की घोर लापरवाही से हुई मेरे पिता अजीज कुरैशी की मौत : अरमान कुरैशी

पुत्र ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर उठायी पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग

ललितपुर। कोरोना संक्रमित अधिवक्ता मरीज की मौत के मामले में झांसी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों पर उपचार सेवा में भारी अनियमितताएं बरते जाने का आरोप लगाते हुए ललितपुर के मोहल्ला सिविल लाइंस निवासी अरमान कुरैशी एड. ने एक शिकायती पत्र मुख्यमंत्री को भेजा है। मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायती पत्र में अरमान कुरैशी ने बताया कि उनके पिता अधिवक्ता अजीज कुरैशी ने 2 अप्रैल को जिला अस्पताल पहुंचकर कोविड-19 की जांच कराई थी जिसमें वह पॉजिटिव पाए गए थे। कोरोना संक्रमित होने के बाद बेहतर उपचार के लिए उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज के कोविड-19 सेंटर के वार्ड संख्या 3 (बी) में भती कराया गया था। झांसी में कोविड इंचार्ज की देखरेख में डा. सिद्दीकी नाम के चिकित्सक द्वारा उन्हें उपचार दे रहे थे। अरमान कुरैशी ने बताया कि 2 तारीख को ही उनके पिता की जांच तथा एक्स-रे कराया गया था लेकिन 10 अप्रैल तक उनके पिता की रिपोर्ट नहीं दी गयी। आरोप है कि 11 अप्रैल को तबीयत बिगड? पर डा. सिद्दीकी व इंचार्ज डा.माहौर से ब्लड जांच एवं एक्स-रे की रिपोर्ट मांगी परंतु रिपोर्ट नहीं दी और ना ही बताई गई। अरमान कुरैशी ने बताया कि जब उनके पिताजी की सीटी स्कैन करने के लिए आग्रह आग्रह किया तब कहीं जाकर सीटी स्कैन कराया गया, लेकिन उसकी भी रिपोर्ट नहीं दी गई। आगे बताया कि 13 अप्रैल को उनके पिता अजीज कुरैशी की हालत बिगड? लगी तब मौखिक रूप से बताया गया कि उनके फेफड़ों में इन्फेक्शन हो गया है वह ब्लड में टीएलसी बढ़ी हुई है और इसके अलावा ऑक्सीजन भी नहीं बढ़ रही है। अरमान कुरैशी ने बताया कि चिकित्सकों के परामर्श अनुसार उन्होंने अपने पिता के लिए प्लाज्मा भी दिया गया। 17 अप्रैल की रात 1 बजे जब उनके पिताजी का ऑक्सीजन पाइप निकल गया तो उसे लगाने के लिए कोई भी नहीं आया। अरमान कुरैशी ने बताया कि डा.सिद्दीकी ने एक्टेमरा 400 एमजी के दो इंजेक्शन जो कि प्रत्येक इंजेक्शन 40 हजार रुपये यानी दोनों इंजेक्शन 80 हजार रुपये के लाने के लिए कहा, जिस पर वह इंजेक्शन मंगवा कर अजीज कुरैशी को लगाया गया। इंजेक्शन लगाने के बाद कोई जांच नहीं की गई तथा पुनः 1 दिन के अंतराल से दूसरा इंजेक्शन लगा दिया जिसके परिणाम स्वरुप मरीज की हालत बिगड़ गई और 17 अप्रैल को आईसीयू द्वितीय में पलंग नंबर चार पर अजीज कुरैशी को भती कर दिया गया जहां 18 अप्रैल को एक अन्य चिकित्सक मरीज को देख रहे थे तभी उनसे पिता की बेहतर देखभाल के लिए आग्रह किया गया। लेकिन इस पर भी ध्यान नहीं दिया गया। अरमान कुरैशी का आरोप है कि 19 अप्रैल को सुबह 2.25 पर उसके पास फोन आया कि उनके पिता की हालत खराब हो रही है। 19 अप्रैल को सुबह करीब 11.30 बजे फोन आया कि उनके पिता अजीत कुरैशी की मृत्यु हो चुकी है जबकि अस्पताल में मौजूद कई मरीज साथी ने उन्हें सुबह 8 बजे ही सुन लिया था कि अजीत कुरैशी की मृत्यु हो गई है। अरमान कुरैशी का आरोप है कि उनके पिता को अन्य चिकित्सक ने जानबूझकर जांच व एक्सरे रिपोर्ट के आधार पर इलाज नहीं किया तथा प्लाज्मा और इंजेक्शन लगाने के बाद जांच नहीं कराई, जिस कारण उनके पिता की हालत बिगड़ गई और अंततः उनकी मौत हो गई।

पिता के बाद पुत्री ने भी प्लाज्मा डोनेट किया

ललितपुर। झांसी में लाइफ लाइन हॉस्पिटल में भती ललितपुर में नई तहसील के पास रहने वाले 62 वर्षीय रिटायर्ड रेलवे ड्राइवर मोहम्मद इब्राहिम को प्लाज्मा की आवश्यकता पड़ी, जिस पर उनके पुत्र मो.यूनिस ने स्थानीय संस्था से संपर्क स्थापित किया। जिस पर पिछले हफ्ते विजय जैन द्वारा प्लाज्मा डोनेट किया गया था। उन्हीं की पुत्री कु.राशि जैन ने मोहम्मद इब्राहिम को अपना प्लाज्मा डोनेट किया पिता और पुत्री दोनों के समाज सेवा के इस कार्य ने पूरे समाज में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। कोरोना काल में प्रत्येक आदमी परेशान है। उसको कोरोना से गम्भीर रूप से पीड़ित मरीजों को इंजेक्शन नहीं मिल रहे हैं तो डॉक्टर प्लाज्मा थेरेपी के लिए जोर देता है जो कि इंसान द्वारा दिया जाता है किसी दवाई की दुकान पर नहीं मिलता और वह भी जो पूर्व में कोरोना से ग्रसित रह चुका हूं उसके प्लाज्मा में कोरोना से लड? के लिये एंटीबॉडीज होती है। ऐसे में पिता पुत्री दोनों के इस कार्य की अन्नपूर्णा सेवा संघ भूरी-भूरी सराहना करता हुआ अन्य लोगों से अपील करता है कि वह भी प्लाज्मा डोनेशन में आगे आए अब यही कार्य मानवता की रक्षा कर सकता है।

शहर में गहराया पेयजल संकट

वार्डों में नलों से नहीं आ रहा पानी, हैण्डपम्पों पर जुट रही भीड़ शहरवासियों ने प्रशासन से लगायी पेयजलापूर्ति सुचारू कराने की गुहार

ललितपुर। अप्रैल का महीना खत्म होते-होते शहर में पेयजल आपूर्ति भी हांफने लगी है। नगर के कई वार्ड ऐसे हैं, जिनमें महज पांच से दस मिनिट ही नलों से पानी आ रहा है तो कई वार्ड ऐसे भी हैं, जहां नलों से बूंद भी पानी भी मयस्सर नहीं हो पा रहा है। दैनिक जीवन में पानी की महत्वता पूरी करने के लिए लोग हैण्डपम्पों पर भीड़ के रूप में जुट रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर काफी दूर से पानी साइकिल, हाथ ठेला इत्यादि से ढोने को विवश हैं। ऐसे में हैण्डपम्पों पर जुटने वाली भीड़ से अब कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोत्तरी होने से इंकार भी नहीं किया जा सकता है। ऐसे में शहरवासियों ने जिला प्रशासन से जल संस्थान को निर्देशित करते हुये शहर में पेयजलापूर्ति सुचारू कराये जाने की मांग उठायी है। गौरतलब है कि वतर्मान में पड़ रही भीषण गमी में कोई सिर पर बर्तन रखकर तो कोई साइकिल पर डिब्बा टांग कर पानी भर कर ला रहा है। रोजाना पेयजल आपूर्ति गड़बड़ा रही है जिससे नगर की जनता को पानी की किल्लत से जूझना पड़ रहा है और कई गलियों में तो नल नहीं आ रहे है। मोहल्लेवासियों को पानी नहीं मिल पा रहा है। शहर के मोहल्ला सरदारपुरा, चौबयाना, रावरपुरा, मऊठाना, बड़ापुरा, नेहरूनगर, गांधीनगर, चांदमारी, आजादपुरा द्वितीय इत्यादि क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित बनी हुयी है। अधिशाषी अभियन्ता संजीव कुमार ने गली वासियों को आश्वासन दिया कि जिन मोहल्लों में पानी नहीं पहुंच रहा है। उनमें पाइप लाइन को ठीक कराकर उन गलियों के नलों में पानी पहुंचाया जायेगा। जिससे नगर की जनता को पानी के लिए परेशान नही होना पड़ेगा और मुहल्ले वासियों ने बताया कि इन स्थानों पर जबरदस्त पानी की किल्लत बनी हुई है।

जय ऑफसेट प्रेस

फ्लैक्स बैनर, कलर पोस्टर, स्टीकर, विजिटिंग कार्ड शादी कार्ड, कैलेन्डर, कलर ब्लैक एण्ड व्हाईट न्यूज पेपर मैग्जीन एवं चुनाव सामग्री इत्यादि की प्रिंटिग हेतु सम्पर्क करें।

ठाकुर दास प्रजापति

संचालक

मो. 6393149766, 8005203626

पता - दीनदयाल मार्केट, सैंयर गेट रोड, मिनर्वा चौराहा, झाँसी

मुद्रक,प्रकाशक,संपादक ठाकुर दास प्रजापति द्वारा जयऑफसेट प्रेस दीनदयाल मार्केट मिनर्वा चौराहा झांसी से मुद्रित एवं 469 नई बस्ती झाँसी से प्रकाशित संपादक ठाकुरदास प्रजापति पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। रजिस्ट्रेशन नं. यूपी एचआईएन /2015/ 64 737 फोन न. 6393149766,8005203626